

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शुक्रवार 13 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-4 ■ वर्ष -42 ■ अंक-223 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 14 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

महादेव सट्टा एप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को कोर्ट में किया गया पेश

रायपुर,13 नवंबर। महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ईडी की प्रोडक्शन वारंट पर कोर्ट में पेश किया गया. सीबीआई कोर्ट से आवेदन खारिज होने के बाद ईडी ने PMLA स्पेशल कोर्ट में आवेदन किया था. कयास लगाए जा रहे हैं कि पूछताछ के लिए ईडी कस्टोडियल रिमांड की मांग करेगी.

प्रधानमंत्री ने दी छठ की बधाई

नई दिल्ली,13 नवंबर। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ की आज शुक्रवार से शुरुआत हो रही है। पहले दिन आज नहाय-खाय से व्रती पूजा शुरू करेंगे। शनिवार को उपवास के बाद करेंगे खरना का प्रसाद ग्रहण। रविवार को व्रती डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे , इसके साथ ही सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन होगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शुक्रवार को ट्वीट कर के छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक X हैंडल पर पोस्ट किया और कहा- ''लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय पावन अनुष्ठान महापर्व छठ के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। आज नहाय-खाय है। सभी व्रतियों को मेरा नमन। सबको छठी मइया का आशीर्वाद मिले, यही कामना है।''

4 थाना प्रभारियों का तबादला

रायपुर,13 नवंबर। रायपुर कमिश्नरेट में प्रशासनिक दृष्टिकोण से अलग-अलग थानों के प्रभारियों का तबादला किया गया है. 4 निरीक्षक इधर से इधर हुए हैं. तेलीबांधा, आमानाका, उरला को नए टीआई मिले हैं. रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने गुरुवार को थाना प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली थी. इसमें लॉ एंड ऑर्डर की शिकायतों और थानों में पेंडिंग मामलों को लेकर कई टीआई को फटकार भी लगाई गई थी. इसके बाद आज थाना प्रभारियों के तबादला की सूची जारी की गई है.सूची के मुताबिक, अजय झा को आमानाका थाना टीआई, सुधांशु बघेल को उरला थाना टीआई, रोहित मालेकर को तेलीबांधा थाना टीआई बनाया गया है. वहीं टिकरापारा में पदस्थ प्रमोटिव निरीक्षक बालेश्वर लहरे को रक्षित केंद्र भेजा गया है.

कोरोना के नए वैरिएंट ने बढ़ाई चिंता, एशिया में भी दी दस्तक

वाशिंगटन,13 नवंबर। कनाडा में सामने आया कोविड-19 का एक नया वैरिएंट PJ.2.1 अब कई देशों में फैल चुका है। मई 2026 से इसकी शुरुआत हुई थी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस नए वैरिएंट में मानव कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता अधिक हो सकती है।

वैश्विक संकट के बीच किसानों को बड़ी राहत

डीजल की 50 रुपये की संभावित बढ़ोतरी में से 43 रुपये का बोझ सरकार ने खुद उठाया: मोदी

नई दिल्ली,13 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी के भारत मंडपम में संबोधित करते हुए किसानों के हित में सरकार द्वारा उठाए गए आर्थिक कदमों का विस्तृत ब्यौरा साझा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया, तो भारतीय किसानों और आम उपभोक्ताओं को इस झटके से बचाने के लिए सरकार ने डीजल की कीमतों में होने वाली 50 रुपये प्रति लीटर की संभावित बढ़ोतरी में से 43 रुपये प्रति लीटर का बोझ स्वयं उठाने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने नागरिकों पर पूरा बोझ डालने के बजाय, कीमतों में बढ़ोतरी को केवल 7 रुपये प्रति लीटर तक ही सीमित रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उस संघर्ष के दौरान कुछ ही हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं।

उन्होंने कहा, "भारत के सामने भी एक बड़ी चुनौती थी। देश को डीजल की कीमतों में कम से कम 50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता था। लेकिन, सरकार ने फैसला किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के झटकों का पूरा बोझ देश के नागरिकों और किसानों पर नहीं डाला जाएगा।"

प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि सरकार ने डीजल की कीमतों में केवल 7 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की और बाकी 43 रुपये प्रति लीटर का बोझ खुद उठा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, "उस समय सरकार ने किसानों के हित में एक फैसला लिया। हमने तय किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के झटकों का पूरा बोझ देश के नागरिकों



और किसानों पर नहीं डाला जाएगा।"

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि ईंधन की ऊंची कीमतों से उपभोक्ताओं और किसानों को बचाने के लिए सरकार हर महीने 14,000 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ उठा रही थी। उन्होंने कहा कि उसी दौरान पड़ोसी देशों में डीजल की कीमतों में 40-50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि भारत ने इस बढ़ोतरी को सीमित रखा। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, ताकि किसानों को किफायती दामों पर खाद मिल सके।अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों और घरेलू दरों के बीच के अंतर का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि डाई-अमोनियम फॉस्फेट का एक बैग, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 5,000 रुपये है, वह भारतीय किसानों को 1,300 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा था। इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 3,000 रुपये की कीमत वाला यूरिया का एक बैग किसानों को 300 रुपये से भी कम कीमत पर उपलब्ध कराया जा रहा था। उन्होंने कहा, "16 लाख करोड़ रुपये एक बहुत बड़ी रकम है। दुनिया के कई देशों का कुल बजट भी इस राशि से कम है।"प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खेती की लागत को नियंत्रण में रखना और किफायती दरों पर उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कदम किसानों को बढ़ती लागत और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं से बचाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि विकास को बनाए रखने, किसानों की आय को सहारा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव का किसानों और उपभोक्ताओं पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े, किफायती ईंधन और उर्वरक बहुत जरूरी हैं।

स्कूल की जमीन पर 56 लोगों का कब्जा,हटाने हाईकोर्ट का आदेश

बिलासपुर,13 नवंबर। जांजगीर-चांपा जिले में शिवरीनारायण के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल की जमीन पर 56 लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। हाईकोर्ट ने कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और तहसीलदार को कानून के अनुसार कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने पूरी कार्रवाई एक महीने के भीतर करने और इसके बाद अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। शिवरीनारायण निवासी अमन केशरवानी ने इस मुद्दे पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के पालन में जिला शिक्षा अधिकारी ने शपथपत्र देकर बताया कि स्कूल के प्राचार्य और शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष ने अतिक्रमण हटाने के लिए राजस्व और प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार लिखित आवेदन दिए थे। डीईओ ने शपथपत्र में स्वीकार किया कि स्कूल को अतिरिक्त भवन, पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं और खुले खेल मैदान की जरूरत है। स्कूल को पांच एकड़ जमीन दान में मिली थी, लेकिन इसमें से शेष ढाई एकड़ जमीन पर करीब 56 लोगों के कथित अतिक्रमण के कारण इसका उपयोग शैक्षणिक गतिविधियों के लिए नहीं हो पा रहा है। डीईओ के शपथपत्र के अनुसार अतिक्रमण हटने के बाद इस जमीन पर विस्तृत खेल मैदान बनाया जाएगा। यहां खेल प्रतियोगिताएं, शारीरिक शिक्षा और अन्य सहशैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने के साथ स्कूल के भवन और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि 12 मई 2023 को हाईकोर्ट ने अतिक्रमणकारियों के पक्ष में अंतरिम आदेश दिया था। इसके कारण स्कूल शिक्षा विभाग और राजस्व अधिकारियों के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करना संभव नहीं हो पा रहा था। हालांकि, अब संबंधित लोगों को कब्जा हटाने के नोटिस जारी किए जा चुके हैं। हाईकोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी के शपथपत्र में 56 अतिक्रमणकारियों के कब्जे की बात स्वीकार किए जाने को गंभीरता से लिया। कलेक्टर, एसडीओ और तहसीलदार को नोटिस जारी कर कोर्ट ने कानून के अनुसार अतिक्रमण हटाने और जमीन खाली कराने की कार्रवाई एक महीने में पूरी करने का निर्देश दिया है।



पुश्तैनी जमीन पर पोतियों को मिलेगा सिर्फ एक तिहाई हिस्सा: हाईकोर्ट

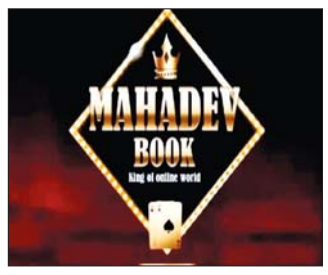
बिलासपुर,13 नवंबर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुश्तैनी कृषि भूमि के मालिकाना हक को लेकर अहम फैसला सुनाया है। बिलासपुर जिले के नवागांव की 13.40 एकड़ जमीन के मामले में कोर्ट ने पांच पोतियों का अधिकार पूरी जमीन के बजाय सिर्फ एक तिहाई हिस्से तक सीमित कर दिया है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को संशोधित किया, जिसमें पोतियों को पूरी जमीन का मालिक माना गया था। मामला कोटा तहसील के नवागांव स्थित खसरा नंबर 1141 की जमीन से जुड़ा है। यह संपत्ति केनाराम बैरागी की थी। उन्होंने 25 जनवरी 2003 को पंजीकृत वसीयत के जरिए अपनी संपत्ति बेटे संजय बैरागी के नाम कर दी थी। केनाराम की मृत्यु के बाद जमीन के नामांतरण को लेकर उनके बेटे और चार बेटियों के बीच विवाद हुआ। संजय की मृत्यु के बाद उनकी पांच बेटियों ने मामा के माध्यम से अदालत में दावा किया कि जमीन पर उनका मालिकाना हक है। वहीं, केनाराम की बेटियों ने कहा कि जमीन संयुक्त पारिवारिक कारोबार और होटल की कमाई से खरीदी गई थी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि केनाराम की वसीयत विधिवत पंजीकृत और प्रमाणित थी। उसे फर्जी या दबाव में तैयार किया गया साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले।हालांकि, जमीन को केनाराम की स्वयं अर्जित संपत्ति भी साबित नहीं किया जा सका। साक्ष्यों के मुताबिक, इसे संयुक्त पारिवारिक संपत्ति की बिक्री से मिली रकम से खरीदा गया था। कोर्ट ने माना कि केनाराम के बेटे और चार बेटियों के बीच संपत्ति के छह बराबर हिस्से बनते हैं। इसमें केनाराम का हिस्सा एक छठा था। वसीयत से यह हिस्सा संजय को मिला।

कोंडागांव के 38 शिल्पकारों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का न्योता

कोंडागांव,13 नवंबर। जिले की पारंपरिक शिल्पकला अब देश के सर्वोच्च संवैधानिक भवनों में से एक राष्ट्रपति भवन तक अपनी पहचान बनाने जा रही है। ग्राम किकिरदापारा के शिल्पकारों द्वारा तैयार की गई अनूठी कलाकृतियों ने अपनी उत्कृष्ट कारीगरी और पारंपरिक कला के दम पर खास पहचान बनाई है। इसी उपलब्धि के चलते कोंडागांव के 38 शिल्पकारों को राष्ट्रपति भवन की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से विशेष मुलाकात का आमंत्रण मिला है। 16 नवंबर को सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर राष्ट्रपति भवन में यह विशेष मुलाकात आयोजित होगी। इस दौरान कोंडागांव के 38 हस्तशिल्पी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से रूबरू होंगे। शिल्पकार अपनी पारंपरिक कला, कारीगरी और पीढ़ियों से चली आ रही शिल्प परंपरा के अनुभव साझा करेंगे। इस आमंत्रण से जिले के शिल्पकारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शिल्पकारों के दिल्ली प्रवास को लेकर भी विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से उनके भोजन, ठहरने और स्थानीय आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

महादेव सट्टा एप: मास्टरमाइंड मोहित सोमानी के रायपुर स्थित घर पर सीबीआई का छापा

रायपुर, 13 नवंबर। करोड़ों के अवैध महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में सीबीआई की एक विशेष टीम ने राजधानी रायपुर के पॉश इलाके समता कॉलोनी स्थित आरोपी मोहित सोमानी के घर पर दबिश दी। सुबह करीब 7 बजे पहुंची जांच टीम ने लगभग दो घंटे तक घर के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली और तमाम दस्तावेज खंगाले, जिसके बाद टीम सुबह 9 बजे वहां से वापस लौट गई। हालांकि, इस छापेमारी को लेकर सीबीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक यह पूरी कार्रवाई महादेव एप के मुख्य प्रवर्तकों से अवैध सट्टा आईडी लेकर आगे छोटे खाईवालों और सटोरियों को बेचने के नेटवर्क से जुड़ी हुई है। मोहित सोमानी को इससे पहले रायगढ़ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गोवा के मशहूर कैंडोलिम बीच इलाके में स्थित एक किराए के आलीशान विला से गिरफ्तार किया था। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद से ही आरोपी फिलहाल रायगढ़ जेल में बंद है। जांच में यह बात सामने आई थी कि मोहित सोमानी ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे और विभिन्न खेलों की आईडी देश के अलग-अलग हिस्सों में छोटे खाईवालों, सटोरियों और शौकीनों को मुहैया कराता था। इसी कड़ी को जोड़ने और उसके घर से डिजिटल सबूत जुटाने के लिए सीबीआई की टीम उसके रायपुर स्थित आवास पर पहुंची थी।



छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 13 गंभीर मामलों की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद से केंद्रीय एजेंसी इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह की जड़ों तक पहुंचने के लिए ताबड़तोड़ कदम उठा रही है। शुरुआती जांच और मोहित सोमानी से मिले सुरागों के आधार पर अब केंद्रीय जांच एजेंसियों के निशाने पर कई अन्य लोग भी आ गए हैं। सूत्रों का दावा है कि आने वाले दिनों में इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य पैनल संचालकों, वित्तपोषकों और सहयोगियों की बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। सीबीआई की अब तक की जांच में यह खुलासा हुआ है कि महादेव ऑनलाइन बुक दुनिया के सबसे बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क में शामिल था, जिसका मुख्य नियंत्रण भारत के बाहर से किया जाता था। इस मंच के जरिए क्रिकेट, फुटबॉल, तीन पत्ती और तमाम जुआघरों के खेलों पर ऑनलाइन जुआ खिलाया जाता था। देशभर में फ्रेंचाइजी मॉडल की तर्ज पर अलग-अलग पैनल और शाखाएं बनाई गई थीं, जिनके माध्यम से आम जनता और युवाओं को इस दलदल में फंसाया जाता था और करोड़ों का काला धन हवाला के जरिए विदेशों में भेजा जाता था। बहरहाल, मोहित सोमानी के घर पर पड़ी इस छापेमारी के बाद छत्तीसगढ़ के सट्टा कारोबारियों में भारी हड़कंप मचा हुआ है।

नेपाल में बस 300 मीटर गहरी खाई में गिरी, ड्राइवर समेत 14 की मौत

काठमांडू,13 नवंबर। नेपाल में छठ पर्व मनाने के लिए घर लौट रहे लोगों के साथ बड़ा हादसा हो गया. नेपाल में गुरुवार को एक पहाड़ी मार्ग से एक छोटी बस के गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. छठ पर्व मनाने के लिए काठमांडू से अपने घर लौट रहे लोगों की माइक्रोबस पहाड़ी सड़क से करीब 300 मीटर नीचे जा गिरी. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह दुर्घटना गुरुवार सुबह लगभग 5:45 बजे मकवानपुर जिले के भीमफेदी ग्रामीण नगर पालिका क्षेत्र में हुई. दुर्घटना के समय माइक्रो बस में कुल 20 लोग सवार थे. नेपाल के बागमती प्रांत में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम ड्राइवर समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह दुर्घटना भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित



चिसापानीगढ़ी के समीप उस समय हुई, जब काठमांडू से सर्लाही जा रही एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 300 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरी.हादसे में घायल छह यात्रियों को हेतौडा नगरपालिका के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि माइक्रोबस किस वजह से सड़क से नीचे गिरी. पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है.इस दर्दनाक हादसे में वाहन चालक सहित 11 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. वहीं, दुर्घटना में घायल हुए छह अन्य यात्रियों को इलाज के लिए हेटौडा नगर पालिका स्थित एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने बताया कि वाहन में सवार सभी लोग दक्षिणी नेपाल के सर्लाही जिले के निवासी थे, जो इस रविवार को पड़ने वाले छठ महापर्व को मनाने के लिए काठमांडू से अपने घर लौट रहे थे.

शराब घोटाले का फरार आरोपी विकास अग्रवाल दुबई में गिरफ्तार

रायपुर,13नवंबर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले की जांच के बीच फरार आरोपी विकास अग्रवाल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. उसे दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है. वह पिछले कई सालों से जांच एजेंसियों की पकड़ से बाहर था. फिलहाल आरोपी विकास यूएई के अधिकारियों की हिरासत में है. अब उसे भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की जा रही है. इस घटनाक्रम को शराब घोटाले की जांच में अहम सफलता माना जा रहा है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुताबिक, विकास अग्रवाल शराब सिंडिकेट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था. उसे सिंडिकेट का अहम वित्तीय मैनेजर बताया गया है. उसपर डिस्टिलरी और एफएल-10ए लाइसेंसधारियों से कमीशन की वसूलने के बाद रकम शराब घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल अनवर ढेबर तक पहुंचाए जाने का आरोप है. ईडी की जांच में विकास अग्रवाल की भूमिका को लेकर कई अहम तथ्य सामने आए थे.बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद अब भारतीय एजेंसियां विकास अग्रवाल को भारत लाने की प्रक्रिया में जुटी हैं. इसके लिए यूएई के अधिकारियों के साथ कानूनी और कूटनीतिक स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उससे शराब घोटाले से जुड़े वित्तीय लेन-देन और अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा सकती है. विकास अग्रवाल की गिरफ्तारी से शराब घोटाले की जांच में नए खुलासे होने की संभावना है. हालांकि भारत लाए जाने और आगे की कानूनी कार्रवाई के बाद ही मामले में उसकी भूमिका को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी.

यूएई में बेकाबू ट्रक की चपेट में आई 23 गाड़ियां

भारतीय समेत 14 लोगों की मौत, 30 घायल

दुबई,13 नवंबर। संयुक्त अरब अमीरात में एक ट्रक बेकाबू होकर सड़क पर कई गाड़ियों से टकरा गया. इस भीषण टक्कर के बाद आग लग गई. हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं. वहीं, 30 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पीड़ित परिवारों से किया संपर्क, ट्रक के अनियंत्रित होने की वजह की जांच जारी.फुजैराह पुलिस की जनरल कमांड ने इस गंभीर सड़क हादसे की जानकारी देते हुए कहा कि इस दुघर्टना में 14 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए. संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में शेख खलीफा बिन जायद स्ट्रीट पर एक ट्रक बेकाबू होकर कई वाहनों से टकरा गया. गृह मंत्रालय के एक स्टेटमेंट के मुताबिक, सड़क पर जा रहे एक ट्रक ड्राइवर ने गाड़ी पर



कंट्रोल खो दिया था. सबसे पहले एक ट्रक ने दूसरी गाड़ी को टक्कर मारी और फिर पलट गया. इस हादसे में पांच ट्रकों समेत कुल 23 गाड़ियां शामिल थीं. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में आग लग गई. देखते ही देखते आग आसपास के कई वाहनों में फैल गई और कई कारें इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है. आग इतनी भीषण थी कि कई मृतकों की पहचान करना मुश्किल हो गया. ऐसे में पुलिस विशेषज्ञों की मदद से DNA टेस्ट कराकर शवों की पहचान की जा रही है.आग लगने के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई. सूचना मिलते ही पुलिस, पैरामेडिक्स और सिविल डिफेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं. बचाव कर्मियों ने आग पर काबू पाया और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया. हादसे में घायल 30 लोगों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया. स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से 15 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि बाकी 15 का उपचार जारी है.

ट्रेन में आरएसी व्यवस्था खत्म करने पर विचार

नई दिल्ली,13 नवंबर। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे एक बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। रेलवे आरएसी यानी रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसलेशन टिकट की व्यवस्था खत्म करने के विकल्प पर विचार कर रहा है। इस व्यवस्था के तहत दो यात्रियों को एक ही बर्थ आवंटित की जाती है और दोनों से पूरा किराया लिया जाता है, जबकि उन्हें सोने के लिए आधी जगह ही मिलती है। रेलवे इस व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है। इसके पीछे यात्रियों की सुविधा से जुड़ी चिंताएं और दशकों से चली आ रही आरक्षण प्रणाली के इस प्रावधान में बदलाव की जरूरत प्रमुख वजह हैं। केंद्र सरकार ने कितने करोड़ रुपये की लागत से 'युगे युगेन भारत म्यूजियम' बनाने को मंजूरी दी है? आरएसी टिकट मिलने पर यात्रियों को एक बर्थ शेयर करनी पड़ती है। यानी एक ही बर्थ पर दो यात्रियों को जगह दी जाती है। इसके



बावजूद दोनों यात्रियों से पूरा किराया वसूला जाता है। रेलवे के एक अधिकारी ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब किसी यात्री को सोने के लिए पूरी जगह नहीं मिल रही है, तो उससे पूरा किराया लेना उचित नहीं हो सकता।आरएसी व्यवस्था के कारण यात्रियों को कई बार असुविधा का सामना करना पड़ता है। खासकर तब, जब एक ही सीट पर किसी पुरुष और महिला यात्री को जगह आवंटित कर दी जाती है। ऐसी स्थिति में ट्रेन के टिकट जांचकर्ताओं (टीटीई) के सामने यात्रियों के लिए कोई दूसरा इंतजाम करना चुनौती बन जाता है।आरएसी टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों से पूरा किराया लेने का मुद्दा संसदीय समिति के सामने भी उठ चुका है। समिति ने इस व्यवस्था के औचित्य पर सवाल उठाते हुए रेलवे को इसकी समीक्षा करने की सिफारिश की है। समिति का कहना है कि यात्रियों को पूरी बर्थ की सुविधा दिए बिना उनसे पूरा किराया नहीं लिया जाना चाहिए।

भाई दूज मातर महोत्सव पर विद्यार्थियों और कर्मचारियों का हुआ सम्मान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 13 नवंबर। भाई दूज मातर महोत्सव के शुभ अवसर पर कर्मचारी संगठन रवेली द्वारा वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शुभारंभ विगत एक वर्ष के दौरान ग्राम में दिवंगत हुए व्यक्तियों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित कर एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर किया गया। समारोह में कु. नूतन साहू, सुपुत्री रोहित साहू को कक्षा 12वीं की गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने तथा कु. हीना साहू को एम्स नागपुर में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर चयनित होने पर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में अभिषेक वर्मा को भारतीय रेलवे में जूनियर इंजीनियर के पद पर चयनित होने, पवन कुमार वर्मा, अंकित वर्मा एवं दीपांकन वर्मा को विभिन्न पदों पर चयनित होने तथा शेष नारायण सेन को स्वास्थ्य विभाग में पदोन्नति प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया। इसके अलावा तुषार साहू, कु. आस्था वर्मा, शशांक वर्मा एवं सौम्य वर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने पर सम्मानित किया गया। वहीं राजभवन एवं उद्यानिकी विभाग में दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्यरत कर्मचारियों का भी सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पिछले 32 वर्षों में रवेली के बच्चों ने शिक्षा, प्रशासन, तकनीक एवं विदेशों में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से गांव का गौरव बढ़ाया है। वर्मा ने कहा कि प्रतिभा किसी एक समाज तक सीमित नहीं होती। हमें किसी भी समाज के प्रतिभावान बच्चों से निःसंकोच प्रेरणा लेनी चाहिए। बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे का सहयोग एवं सहारा बनना चाहिए। ईश्वर ने हमें मनुष्य के रूप में जन्म दिया है, इसलिए यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि अहंकार का त्याग कर दूसरों के विकास में सदैव सहयोगी बनें। मुख्य अतिथि रविशंकर वर्मा थे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में चेलाराम नायक, छन्नूलाल वर्मा एवं अंगीरा वर्मा उपस्थित रहे। संगठन के सचिव राजकुमार वर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों एवं संगठन के सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मपाल वर्मा एवं राजेश वर्मा ने किया। इस अवसर पर कौशल वर्मा, प्रमोद वर्मा, डीलेश वर्मा, जन्मेजय वर्मा, जयंत वर्मा, संतोष वर्मा, विजय वर्मा, हेमशंकर वर्मा, देवेंद्र नायक, धनंजय वर्मा, अशोक चंद्राकर, रामप्यारे वर्मा, टोमन साहू एवं श्रीमती भुनेश्वरी साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पटवारियों की हड़ताल से चरमराई राजस्व व्यवस्था धान खरीदी की तैयारी प्रभावित होने का आरोप



उतई, 13 नवंबर। दुर्ग ग्रामीण के प्रवक्ता द्वारिका साहू ने पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पटवारियों की हड़ताल के कारण प्रदेश में राजस्व व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलनरत पटवारियों की जायज मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने के बजाय उन्हें निलंबित करने की कार्रवाई कर रही है।साहू ने कहा कि प्रदेश में सैकड़ों पटवारियों को निलंबित किया जा चुका है। वहीं, काम पर वापस नहीं लौटने की स्थिति में सेवा समाप्त करने की चेतावनी भी दी जा रही है। उन्होंने सरकार के इस रवैये को लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत बताते हुए कहा कि किसी भी समस्या का समाधान बातचीत और आपसी सहमति से निकाला जाना चाहिए, न कि दमनात्मक कार्रवाई से।

उन्होंने कहा कि पटवारियों की हड़ताल का असर आगामी धान खरीदी की तैयारियों पर भी पड़ रहा है। प्रदेश के हजारों किसानों की जमीन का रकबा राजस्व रिकॉर्ड और संबंधित सॉफ्टवेयर में प्रदर्शित नहीं हो रहा है। ऐसे में किसान अपनी जमीन के रकबे में सुधार एवं संशोधन नहीं करा पा रहे हैं। इसके चलते धान खरीदी के समय किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

द्वारिका साहू ने आरोप लगाया कि सरकार पटवारियों की हड़ताल समाप्त कराने के लिए गंभीर प्रयास नहीं कर रही है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेश के अनेक किसान धान बेचने से वंचित हो सकते हैं।उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि पटवारियों की मांगों पर तत्काल सकारात्मक बातचीत की जाए, निलंबन एवं सेवा समाप्ति जैसी कार्रवाई पर पुनर्विचार किया जाए तथा राजस्व संबंधी कार्यों को शीघ्र सुचारु कराया जाए, ताकि किसानों को धान खरीदी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े।

एक नजर

मुक्तस्वर साहित्य समिति का साहित्यिक समारोह 14 को

भिलाई, 13 नवंबर (तछसं.)। मुक्तस्वर साहित्य समिति द्वारा शनिवार 14 नवंबर को रिसाली में साहित्यिक समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें समिति के दो साझा संकलन मुक्तस्वर की अभिव्यक्ति एवं आधुनिक भारत की अभिव्यक्ति का विमोचन होगा एवं रचनाकारों को मुक्तस्वर साहित्य रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी तथा अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं भाषाविद् डॉ. चितरंजन कर करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में शंकराचार्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा, सुप्रसिद्ध कथाकार एवं पत्रकार शिवनाथ शुक्ल, शिवेंद्र सिंह परिहार एवं डॉ. सीमा साहू शामिल होंगे। समिति के अध्यक्ष गोविंद पाल एवं महासचिव नरेंद्र कुमार सिवकेवाल ने साहित्य प्रेमियों एवं नागरिकों से समारोह में शामिल होने का अनुरोध किया है।

पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 10 वारंटियों को किया गिरफ्तार



भिलाई, 13 नवंबर (तछसं.)। थाना सुपेला क्षेत्र में लंबे समय से लंबित गिरफ्तारी एवं स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की तामिली के लिए पुलिस टीम विशेष अभियान चलाया अभियान के दौरान वारंटियों के न्यायालय से प्राप्त पतों पर लगातार तलाश की तथा उनके संभावित ठिकानों की जानकारी एकत्रित की मुखबिर से वारंटियों की थाना सुपेला क्षेत्र में मौजूदगी की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम कार्रवाई करते हुए 6 गिरफ्तारी वारंटियों एवं 4 स्थायी गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया। सभी वारंटियों को न्यायालय जिला दुर्ग के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी वारंट तामिली में आशराम परमार निवासी चंद्रा मौर्य टॉकीज सुपेला, राजीव साव निवासी मिनीमाता चौक सुपेला, विक्की साव निवासी मिनीमाता चौक सुपेला, आकाश साव निवासी मिनीमाता चौक सुपेला, विक्की गायकवाड़ निवासी कृष्णा नगर सुपेला व अभय गजभिये निवासी सुपेला है। वहीं स्थायी गिरफ्तारी वारंट तामिली एक नाबालिग समेत नंदकिशोर चौहान निवासी न्यू कृष्णा नगर सुपेला, भोला गायकवाड़ निवासी कृष्णा नगर, सुपेला व भूपेन्द्र देवांगन निवासी लक्ष्मी मार्केट सुपेला शामिल है।

बाइक सवार ने महिला से सोने की चेन लूट ली

भिलाई, 13 नवंबर (तछसं.)। दुर्ग धमधा थाना क्षेत्र में ग्राम देवरी मोड मंदिर के पहले, देवकर धमधा रोड में महिला से लूट का मामला सामने आया है धमधा थाने पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर धारा 304(2) के तहत अपराध दर्ज का जांच में जुट गई है प्रार्थिया टिकेश्वरी पटेल (25 साल) ने पुलिस को बताया कि दीपावली के त्यौहार के बाद 11 नवंबर को भाई दूज मनाने पति लीलाधर और अपनी बेटी मीनू पटेल के साथ मायके ग्राम चुहका गई थी 12 नवंबर को अपने ससुराल ग्राम सहगांव पति और बेटी के साथ बाइक सीजी 25 एम 2094 में बैठकर आ रहे थे दोपहर करीब 3.30 बजे ग्राम देवरी मोड मंदिर के पहले पहुंचे ही थे कि देवकर की ओर पीछे से कोई अज्ञात व्यक्ति मोटर साइकिल में आया और गले में पहने सोने का माला व हार को खींचने का प्रयास किया आरोपी जब इसमें सफल नहीं हो पाया तो लात मारकर बाइक को गिरा दिया इस दौरान गले में पहने सोने का माला व हार टूट गया और आरोपी लेकर फरार हो गया सोने का मराठी माला व सोने का हार कुल किमती 70000 रुपए है बाइक गिरने के कारण प्रार्थियां और उनकी बेटी को हाथ, पैर और सिर पर चोट आई है।

पीलिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

दुर्ग, 13 नवम्बर । नगर निगम दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत आज वार्ड क्र. 54 आबादी बस्ती पोटियाकला में संभावित पीलिया मरीज मिलने पर डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के निर्देश में डॉ सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में शहरी खण्ड चिकित्सा अधिकारी, दुर्ग व सीटी प्रोग्राम मैनेजर, दुर्ग, श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग एवं बीईटीओ स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 12 नवम्बर 2026 तक कुल 286 घरों का सर्वे किया गया है। जहाँ पीलिया के नये मरीज नहीं मिले है, दिनांक 07 नवम्बर 2026 से आज दिनांक तक कुल 09 मरीज मिले, जिनमें से 01 मरीज का शासकीय अस्पताल में चिकित्सकीय उपचार चल रहा है। अन्य सभी मरीज घर पर चिकित्सकीय उपचार लें रहे है। संक्रमित क्षेत्र में पीलिया से किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है। वर्तमान में सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है। संक्रमित क्षेत्र का 04 जगहों से पानी सैम्पल का नमूना लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, दुर्ग द्वारा जांच के लिये भेजा गया है।जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग, दुर्ग आम जनता से अपील की गई है ।

आयुक्त सुरुचि सिंह ने शिवाजी नगर क्षेत्र के सार्वजनिक स्थलों का किया निरीक्षण



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 नवंबर। आयुक्त सुरुचि सिंह ने शहर में नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जोन क्रमांक-4 शिवाजी नगर खुर्सीपार के अंतर्गत श्रीराम चौक ग्राउंड, डिजिटल लाइब्रेरी, कॉलेज ग्राउंड एवं आईटीआई ग्राउंड पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सार्वजनिक स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्थानों पर नागरिकों एवं विद्यार्थियों की सुविधा के अनुरूप बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने साफ-सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और नियमित रूप से सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण मिल सके। आयुक्त सुरुचि सिंह ने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई एवं रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने मैदानों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों को व्यवस्थित और उपयोग के अनुकूल बनाए रखने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी विजेन्द्र सिंह परिहार सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इबोला वायरस रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए मॉकड्रिल आयोजित

दुर्ग, 13 नवम्बर । विश्व स्तर पर इबोला वायरस रोग के प्रसार की वर्तमान स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार द्वारा इबोला वायरस रोग की रोकथाम, नियंत्रण एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारियों का आकलन करने हेतु राज्य से डॉ. खेमराज सोनवानी, उप संचालक एवं राज्य सर्वलेंस अधिकारी, डॉ. माधवी एम्स रायपुर तथा डॉ. चयनिका राज्य एंटोमॉलॉजिस्ट की मौजूदगी में तथा जिले से डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के निर्देशन में डॉ सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वलेंस अधिकारी, डॉ. अशीषन कुमार मिंज, सिविल सर्जन, मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया।

बीएसपी की कोमल मेहरा को ग्लोबल वुमेन एक्सीलेंस अवार्ड



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के परियोजना-वाणिज्यिक विभाग में कार्यरत सहायक महाप्रबंधक सुश्री कोमल मेहरा को ग्लोबल वुमेन एक्सीलेंस अवार्ड्स-2026 के अंतर्गत एक्सीलेंस इन इंस्ट्रक्शनल लीडरशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें नई दिल्ली में ग्लोबल ट्रायम्फ फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्लोबल लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स-2026 में प्रदान किया गया। लीडरशिप बियॉन्ड बाउंड्रीज विषय पर आयोजित इस समिट में नेतृत्व, नवाचार, समावेशन एवं सतत विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। सुश्री मेहरा सेल में अधिकारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में योगदान देती रही हैं। वर्ष 2008 में सेल से जुड़ीं सुश्री मेहरा वर्तमान में परियोजना प्रबंधन, निविदा एवं अनुबंध प्रबंधन तथा क्रय संबंधी गतिविधियों से जुड़े दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। वे एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) के लिए इंटर्नल रिसोर्स पर्सन के रूप में भी कार्य कर रही हैं।

छठ पर्व को लेकर निगम ने तेज की घाटों की सफाई, रंग-रोगन का कार्य भी जारी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 13 नवंबर। आगामी छठ पर्व को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के विभिन्न तालाबों एवं छठ पूजा स्थलों पर विशेष साफ-सफाई अभियान तेज कर दिया है। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु तालाबों के घाटों पर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं तथा अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा घाटों की स्वच्छता और आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। निगम के सफाई अमले द्वारा तालाबों के घाटों की नियमित सफाई के साथ पानी से धुलाई कराई जा रही है। वहीं घाटों एवं आसपास के परिसरों में रंग रोगन का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि पूजा स्थल साफ-सुथरे और आकर्षक नजर आएं। घाटों के आसपास जमा कचरे, गंदगी एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर पूरे परिसर को स्वच्छ बनाया जा रहा है। निगम प्रशासन का उद्देश्य है कि छठ पूजा के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। छठ पर्व आस्था और श्रद्धा का महापर्व है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग परिवार एवं समाज के साथ एकत्रित होकर सूर्यदेव की आराधना करते हैं। ऐसे में घाटों पर स्वच्छता, बेहतर वातावरण और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से निगम का स्वास्थ्य विभाग एवं सफाई अमला लगातार सक्रिय रहकर कार्य कर रहा है। निगम प्रशासन द्वारा पर्व से पूर्व सभी चिन्हित छठ पूजा स्थलों की साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित वातावरण में छठ पूजा संपन्न कर सकें।

छठ के चलते रेलवे स्टेशन में यात्रियों की भारी भीड़

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 13 नवंबर। छठ पर्व मनाने के लिए उत्तरप्रदेश और बिहार स्थित अपने घरों तक जाने यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशन पर उमड़ रही है दुर्ग रेलवे स्टेशन पर बीते तीन दिनों से यात्रियों की भीड़ देखते ही बन रही है इस दौरान बेतवा एक्सप्रेस, नौतनवा एक्सप्रेस और सारनाथ एक्सप्रेस में बड़ी संख्या में यात्री सवार हुए छठ पर्व के नजदीक आते ही बिहार और उत्तरप्रदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है दक्षिण बिहार एक्सप्रेस, सारनाथ एक्सप्रेस और गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस जैसी नियमित ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची लंबी हो गई है यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दुर्ग से छठ स्पेशल ट्रेन भी चलाई है त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए आने वाले दिनों में पांच और स्पेशल ट्रेनों का संचालन प्रस्तावित है बिलासपुर-छपरा स्पेशल 14 और 21 नवंबर को चलेगी दुर्ग-निजामुद्दीन स्पेशल 15 नवंबर को रवाना होगी गोंदिया-पटना स्पेशल 13 और 20 नवंबर को दुर्ग होकर गुजरेगी वहीं दुर्ग-बरौनी स्पेशल का दूसरा फेरा 18 नवंबर को निर्धारित है ट्रेनों में भी बुकिंग तेजी से बढ़ी है रेलवे ने किए इंतजाम भिलाई-दुर्ग सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्तरप्रदेश और बिहार मूल के लोगों की बड़ी आबादी निवास करती है छठ पर्व अपने पैतृक गांवों में मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग रवाना होते हैं। यही वजह है कि इन दिनों दुर्ग और भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ी गई है इसे देखते हुए रेलवे ने दोनों स्टेशनों पर सुरक्षा और यात्री सुविधाओं के विशेष इंतजाम किए हैं दुर्ग स्टेशन के मल्टीफंक्शनल काम्प्लेक्स (एमएफसी) को होल्डिंग एरिया बनाया गया है यहां किफायती भोजन और पेयजल की व्यवस्था की गई है ट्रेनों के आवागमन के अनुसार प्लेटफार्मों का अग्रिम निर्धारण किया जा रहा है व्यस्त समय में अतिरिक्त टिकट काउंटर और एटीवीएम भी उपलब्ध कराए गए हैं यात्रियों की सहायता और भीड़ नियंत्रण के लिए दुर्ग में 42 तथा भिलाई पावर हाउस में 12 दुर्ग आरपीएफ टीआई संजीव सिन्हा ने बताया कि आरपीएफ जवानों की शिफ्टवार तैनाती की गई है टिकट जांच कर्मचारी भी ड्यूटी पर लगाए गए हैं दुर्ग स्टेशन पर 43 और भिलाई पावर हाउस में 55 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है प्रवेश-निकास द्वार, यात्री कतारों और फुट ओवरब्रिज पर बैरिकेडिंग कर भीड़ को नियंत्रित करने की व्यवस्था की गई।

पीएम आवास योजना- जुनवानी-खम्हरिया और कुरूद के हितग्राहियों की अंतिम सूची जारी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 13 नवंबर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के तहत आबादी भूमि पर काबिज हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया नगर पालिक निगम भिलाई ने पूरी कर ली है। आवेदनों के परीक्षण, दावा-आपत्ति आमंत्रित करने और प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करने के बाद 15 पात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी गई है।

शासन के निर्देशानुसार आबादी भूमि पर निवासरत पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 से जोड़ने के लिए निगम द्वारा संबंधित क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों की जांच की गई। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शासन द्वारा निर्धारित पात्रता मापदंडों के आधार पर परीक्षण किया गया। इसके बाद दावा-आपत्ति आमंत्रित कर प्राप्त आपत्तियों का निराकरण किया गया। पूरी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद पात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची जारी की गई है। जारी सूची के अनुसार वार्ड क्रमांक 01 के जुनवानी-खम्हरिया स्थित आबादी भूमि में निवासरत 8 हितग्राहियों को पात्र घोषित किया गया है। इनमें प्रेम लाल महार, बुधु राम सोनवानी, नरेन्द्र कुमार देवांगन, शशि कुमार सेन, बल्लू बंजारे, ललिता साह, बुध राम सोनवानी एवं कन्हैया लाल निर्मलकर शामिल हैं। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 22 कुरूद स्थित आबादी भूमि में निवासरत 7 हितग्राहियों को पात्रता सूची में स्थान मिला है। इनमें दुरपति साहू, कृष्णा देवांगन, रामकुंवर देवांगन, बालराम देवांगन, कांति बाई देवांगन, महेन्द्र कुमार साहू एवं कुंभकरण शामिल हैं। इस तरह दोनों वार्डों से कुल 15 हितग्राहियों का चयन किया गया है। अब पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत आवास निर्माण के लिए शासन की निर्धारित गाइडलाइन एवं प्रावधानों के अनुसार लाभ प्रदान करने की आगामी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कार्यशाला में निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात के लिए दी गई जानकारी

रायपुर, 13 नवंबर । वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, विदेश व्यापार महानिदेशालय तथा आई.टी.पी.ओ के संयुक्त तत्वावधान में आज राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रायपुर के एक निजी होटल में किया गया जिसमें ''मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभावी उपयोग'' विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम तथा वाणिज्यिक कर मंत्री श्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के वर्तमान एवं संभावित निर्यातकों को भारत के विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के तहत् उपलब्ध व्यापारिक अवसरों से अवगत कराना एवं उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी निर्यात संभावनाओं पर विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रायपुर के वीआईपी रोड पर स्थित होटल में आयोजित कार्यशाला में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) आउटरीच कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाओं, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच, मुक्त व्यापार समझौतों के लाभ तथा निर्यात संवर्धन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री श्री देवांगन ने प्रदेश भर से पहुंचे उद्योग संचालकों तथा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास की असीम संभावनाएं हैं तथा यहां के वनोपजों से निर्मित उत्पाद देश ही नहीं, दुनिया की पहली पसंद है।



उन्होंने बताया कि विगत वर्ष छत्तीसगढ़ का निर्यात लगभग 18 हजार करोड़ रूपए रहा, जिसमें चावल, इस्पात, फेरो-एलॉय तथा एल्युमीनियम की विशिष्ट भूमिका रही। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, आस्ट्रेलिया, ओमान, ब्रिटेन और न्यूजीलैण्ड के साथ अनेक व्यापारिक समझौते किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को अधिसूचित किया गया है, जिससे राज्य का निर्यात दुगना करने का लक्ष्य है। इस दौरान उद्योग श्री देवांगन ने निर्यातकों तक एफटीए का लाभ पहुंचाने के लिए 4 प्रमुख घोषणाएं कीं। इनमें प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से छत्तीसगढ़ एफटीए एक्सेलेटर शुरू करना, छत्तीसगढ़ एफटीए मार्गदर्शिका का अंग्रेजी संस्करण दिसंबर 2026 में तथा हिंदी संस्करण जनवरी 2027 में उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा फरवरी 2027 तक प्रदेश के सभी संभागों में एफटीए कार्यशाला आयोजित करना तथा निर्यातकों को एफटीए संबंधी मार्गदर्शन व सहायता के लिए उद्योग संचालनालय में 15 जनवरी 2027 से एफटीए हेल्पडेस्क प्रारंभ किया जाएगा। इसके पहले, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने प्रदेश में उद्योग की संभावनाओं तथा वैश्विक बाजार में उत्पादों की पहुंच सुगम बनाने पर प्रकाश डाला। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार बंसल तथा भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव श्री मनीष छाबड़ा ने भी कार्यशाला में अपने विचार रखे।कार्यशाला के तकनीकी सत्र में भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव श्री मनीष छाबड़ा ने मुक्त व्यापार समझौते की अवधारणा, उसकी उपयोगिता तथा भारतीय निर्यातकों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने इस विषय पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियों को एफटीए की कार्यप्रणाली एवं व्यापारिक संभावनाओं से अवगत कराया। संचालक, उद्योग श्री प्रभात मलिक ने राज्य के वर्तमान एवं भविष्य के निर्यात संभावित क्षेत्रों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

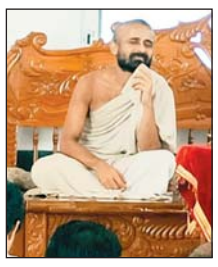
जिलों को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर

कार्यशाला में निर्यात संवर्धन मिशन एवं जिलों को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के विषय पर डॉ. प्रवीण कुमार, संयुक्त महानिदेशक विदेश व्यापार, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने जानकारी दी। इस सत्र में जिला स्तर पर उपलब्ध उत्पादों एवं संसाधनों को निर्यात से जोड़ने तथा निर्यात गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उद्योग विभाग के शीर्ष अधिकारीगण तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए उद्योग संचालक व आकांक्षी उद्यमी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गुरु जो कहते हैं उसे स्वीकार करो और आचरण में लाओ : मौलिकप्रभ जी

राजनांदगांव ,13 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़)।" गुरु जो कहते हैं उसे स्वीकार करो और अपने आचरण में ला लो निश्चित ही आपका जीवन शांतिमय और सफल होगा।" उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य मौलिकप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री मौलिकप्रभ सागर जी ने फरमाया कि गुरु जहाज बनकर हमें इस पापी संसार रूपी सागर से तारने का प्रयास कर रहे हैं और हम हैं कि उनके साथ सत्संग करने से बच रहे हैं। हम यह समझ नहीं पा रहे हैं की गुरु हमारे कल्याण के लिए प्रयासरत हैं । कुछ लोग गुरु का हाथ पकड़ कर तथा चरण छूकर चले जाते हैं और कुछ लोग उनके सत्संग का लाभ उठाते हैं। मुनि श्री मौलिकप्रभ सागर जी ने कहा कि जिसके जीवन में गुरु नहीं होता वह बेचारा प्राणी होता है। गुरु जो कहते हैं उसे स्वीकार करना चाहिए। यही नहीं उसे अपने आचरण में भी लाना चाहिए ताकि हम भी इस संसार रूपी सागर को पार कर सकें। गुरु का सत्संग जीवन को तार देता है। नदी के बहाव के साथ जो बहता है,वह अनुश्रुतगामी होता है किंतु वही जीवात्मा आगे बढ़ती है जो नदी के बहाव के विपरीत पुरुषार्थ कर आगे बढ़ती जाती है अर्थात जो प्रतिश्रुतगामी होती है । उन्होंने कहा कि आप अपने गुरु का सत्संग पाकर अपना आत्मिक कल्याण करें और पुरुषार्थ कर इस संसार सागर से तर जाएं।



कर्मचारी संगठन रवेली ने प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

रायपुर,13 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़)। कर्मचारी संगठन रवेली द्वारा भाई दूज मातर महोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में ग्राम के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान किया गया। संगठन द्वारा पिछले 32 वर्षों से निरंतर यह आयोजन किया जा रहा है। ग्राम रवेली के कर्मचारियों ने 32 वर्ष पूर्व संगठन का गठन कर भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने की परंपरा प्रारंभ की थी। इस आयोजन से प्रेरित होकर गांव के अनेक होनहार बच्चे आज शिक्षा, प्रशासन, तकनीक एवं अन्य क्षेत्रों में देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ विगत एक वर्ष के दौरान गांव में दिवंगत हुए व्यक्तियों को सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित कर एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन धारण कर किया गया। इस अवसर पर कु. नूतन साहू, सुपुत्री श्री रोहित साहू, को कक्षा 12वीं की गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने तथा कु. हीना साहू को एम्स, नागपुर में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर चयनित होने पर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में श्री अभिषेक वर्मा को भारतीय रेलवे में जूनियर इंजीनियर के पद पर चयनित होने, श्री पवन कुमार वर्मा, श्री अंकित वर्मा एवं श्री दीपांकन वर्मा को विभिन्न पदों पर चयनित होने तथा श्री शेष नारायण सेन को स्वास्थ्य विभाग में पदोन्नति प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, श्री तुषार साहू, कु. आस्था



वर्मा, श्री शशांक वर्मा एवं श्री सौम्य वर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही, राजभवन एवं उद्यानिकी विभाग में दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत कर्मचारियों का भी सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि पिछले 32 वर्षों में रवेली गांव के बच्चों ने शिक्षा, प्रशासन, तकनीक एवं विदेशों में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से गांव का गौरव बढ़ाया है। संगठन के शासन के अधीन पंजीकृत होने से नई पीढ़ी को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। भविष्य में संगठन शासन के सहयोग से बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगारमूलक कार्यशालाओं का आयोजन भी करेगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिभा किसी एक समाज तक सीमित नहीं होती। हमें किसी भी समाज के प्रतिभावान बच्चों से निःसंकोच प्रेरणा लेनी चाहिए। बिना किसी भेदभाव के एक-दूसरे का सहयोग एवं सहारा बनना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रविशंकर वर्मा थे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में श्री चेलाराम नायक, श्री छन्नूलाल वर्मा एवं श्री अंगीरा वर्मा उपस्थित रहे।संगठन के सचिव श्री राजकुमार वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों एवं संगठन के सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मपाल वर्मा एवं श्री राजेश वर्मा ने किया। सम्मान समारोह के पश्चात ग्राम लिटिया-सेमरिया के सांस्कृतिक मंच द्वारा 'संत समाज नाच पार्टी' का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने आनंद उठाया। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री कौशल वर्मा, श्री प्रमोद वर्मा, श्री डीलेश वर्मा (कोषाध्यक्ष), श्री जन्मेजय वर्मा, श्री जयंत वर्मा, श्री संतोष वर्मा, श्री विजय वर्मा, श्री हेमशंकर वर्मा, श्री देवेंद्र नायक, श्री धनंजय वर्मा, श्री अशोक चंद्राकर, श्री रामप्यारे वर्मा, श्री टोमन साहू एवं श्रीमती भुनेश्वरी साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साय ने एशियन पैरा गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रायपुर,13 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एशियन पैरा गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाले प्रदेश के दो प्रतिभाशाली पैरा खिलाड़ियों श्री तोमन कुमार और श्री अभिजीत सखूजा को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पैरा तीरंदाजी में स्वर्ण पदक विजेता श्री तोमन कुमार को 51 लाख रुपए और पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक विजेता श्री अभिजीत सखूजा को 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को शाल एवं बस्तर कला का प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री श्री अरुण साव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जीवन में चुनौतियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, यदि मन में दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो सफलता का कोई भी शिखर असंभव नहीं है। श्री तोमन कुमार और श्री अभिजीत सखूजा ने अपने साहस, कठिन परिश्रम और असाधारण खेल प्रतिभा से इसे सिद्ध कर दिखाया है। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संघर्ष से सफलता तक की ऐसी प्रेरक गाथाएं हैं, जो प्रदेश के हजारों युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का हौसला देंगी।

नक्सली हमले में गंवाया पैर, लेकिन नहीं टूटा हौसला-बालोद जिले के ग्राम नवागांव निवासी श्री तोमन कुमार की सफलता की कहानी अदम्य



साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन में सेवा के दौरान वर्ष 2022 में झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के समय हुए आईईडी विस्फोट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना में उन्हें अपना बायां पैर गंवाना पड़ा। जीवन की इस कठिन परिस्थिति में भी उन्होंने हार नहीं मानी। वर्ष 2023 में पैरा तीरंदाजी की शुरुआत की और निरंतर अभ्यास, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री तोमन कुमार के साहस को नमन करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले इस वीर जवान ने खेल के मैदान में भी अपनी अदम्य इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। नक्सलियों के विस्फोट ने उनका एक पैर जरूर छीन लिया, लेकिन देश के लिए कुछ कर दिखाने का उनका जज्बा नहीं छीन सका। पहले मातृभूमि की रक्षा और अब अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाकर उन्होंने छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

वोट चोरी कर बनी है मोदी सरकार: कुलबीर

राजनांदगांव ,13 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

'वोट चोर गद्दी छोड़, वोट बचाओ देश' अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आदेशानुसार शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के निर्देशानुसार ममतानगर में मंडल अध्यक्ष राहुल गजभिए व शांतिनगर में निरंजन पासवान के नेतृत्व में 12 नवंबर गुरुवार को जनचौपाल का आयोजन किया गया। इस जनचौपाल में कांग्रेसजनों ने वार्डवासियों को वोट चोरी के मुद्दे पर जागरूक किया।इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने वोट चोरी के मुद्दे पर भाजपा एवं केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भाजपा की बी-टीम बनकर काम कर रहे हैं। एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ किया



जनचौपाल लगाकर कांग्रेस शहर की जनता को कर रहे जागरूक

जा रहा है।श्री छाबड़ा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी लगातार इस गंभीर मुद्दे को लेकर केंद्र की मोदी सरकार को घेर रहे हैं। 01 नवंबर को दिल्ली में आयोजित महारैली में लाखों की संख्या में लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनता वोट चोरी के मुद्दे को लेकर जागरूक हो चुकी है और सरकार से जवाब मांग रही है।कुलबीर सिंह छाबड़ा ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं तथा वोट चोरी के जरिए देश की जनता के संवैधानिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार फर्जी वोटों के सहारे सत्ता में बनी हुई है। एसआईआर प्रक्रिया के तहत राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र के लगभग 20 हजार मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने की जानकारी सामने आई है, जो बेहद चिंताजनक एवं अनुचित है।

13839 प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि

राजनांदगांव 13 नवम्बर । छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कृषकों को कृषि निवेश में सहायता एवं खेती की लागत में राहत प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित कृषक उन्नति योजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026-27 के लिए नवीन दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार खरीफ 2026 में बोए गए धान, जिसे विपणन वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) द्वारा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं लैम्प्स के माध्यम से उपार्जित किया जाएगा अथवा छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा धान बीज के रूप में उपार्जित किया जाएगा, उससे संबंधित बोए गए रकबे पर किसानों को प्रति एकड़ 13839 की समान दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। शासन द्वारा निर्धारित गणना के अनुसार कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2441 प्रति क्विंटल तथा निर्धारित आधार मूल्य 3100 प्रति क्विंटल के अंतर 659 को अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ से गुणा करने पर 13839 प्रति एकड़ आदान सहायता राशि निर्धारित की गई है। विशेष बात यह है कि किसान द्वारा निर्धारित अधिकतम सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम मात्रा में भी धान उपार्जन हेतु विक्रय किए जाने पर, डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित बोए गए धान के पात्र रकबे के अनुसार निर्धारित दर से सहायता राशि देय होगी।

चिखली ओवरब्रिज पर डायवर्सन के बीच महापौर का औचक निरीक्षण

राजनांदगांव ,13 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

ममतानगर मोतीपुर रेल्व अंडरब्रिज पर बारबार यातायात बाधित होने की जानकारी मिलने पर राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव आज सुबह से ही एक्शनमोड में नजर आये। लगातार यातायात बाधित होने की सूचना मिलते ही आज प्रातः महापौर मधुसूदन यादव ने पुलिसध्यातायात विभाग, नगर निगम के अधिकारियों एवं पार्षदों के साथ अपने मोतीपुर स्थित निज निवास पर बैठक आयोजित कर स्थल निरीक्षण एवं स्थानीय जनता एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद के लिये समय एवं पाईंट निर्धारित किया। पश्चात् अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर पांच विभिन्न डायवर्सन पाईटो का स्थल निरीक्षण किया, और शासन प्रशासन को यातायात व्यवस्था सुधारने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिये। इस दौरान महापौर ने यातायात प्रवाह, सड़क की स्थिति, वाहनों की भीड़ तथा डायवर्सन पाईटो पर हो रही असुविधा का जायजा लिया। स्थल निरीक्षण के समय महापौर के साथ निगम अध्यक्ष पारस वर्मा,महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू व श्री सावन वर्मा,कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल, पार्षदगण सर्वश्री शिव वर्मा, कमलेश बंधे,मनोहर यादव, एल्डरमेन नागेश यदु व भीषम देवांगन, पूर्व नेताप प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु, सहित श्री मदन यादव, श्री लोकेश जैन, श्री नरेन्द्र हंसा, श्री विनोद भारती एवं अन्य उपस्थित रहे। साथ ही राजनांदगॉव नगर निगम आयुक्त



जी0आर0मरकाम, पुलिस विभाग के डी0एस0पी0 सत्यप्रकाश तिवारी, यातायात टी0आई0 शंकर गोस्वामी सहित निगम के कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे व श्री यू.के. रामटेके, श्री प्रणय मेश्राम,प्र.सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू,प्र.उप अभियंता श्री चिराग मेश्राम एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी महापौर के साथ उपस्थित रहे।

महापौर श्री यादव अपनी टीम के साथ सर्वप्रथम मोतीपुर ममतानगर अंडरब्रिज का निरीक्षण किया एवं मोतीपुर से रेल्वे फाटक जाने वाले मार्ग पर चार चक्का वाहनों के संचालन को प्रतिबंधित कर उन्हें आजादचैक मोतीपुर से रेल्वे फाटक की दिशा में जाने की लिये रूट डाईवर्ट करने के निर्देश दिये। पश्चात उनकी टीम में मोतीपुर रामनगर रेल्वे फाटक मार्ग का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटा स्थानीय सब्जी मार्टेक को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये। इसके बाद शासन प्रशासन के अमले के साथ महापौर ने स्टेशनपारा, गौरीनगर एवं चिखली ओव्हरब्रिज डायवर्जन मार्गो का भी मौका-मुआयना किया।

धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए : कलेक्टर

राजनांदगांव ,13 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में 15 नवम्बर 2026 से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा धान खरीदी की तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में अन्य क्षेत्रों से होने वाले अवैध धान परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने तथा धान के अवैध कारोबार में संलिप्त कोचियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी व्यवस्था की सतत निगरानी करने तथा किसानों को सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने कहा। कलेक्टर ने अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के



माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उपलब्धियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को पोर्टल में योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति से संबंधित जानकारी नियमित रूप से अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल में दर्ज जानकारी तथ्यात्मक, सटीक एवं अद्यतन होनी चाहिए, ताकि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रभावी निगरानी एवं समीक्षा की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने राजनांदगांव शहर में निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज की प्रगति की जानकारी लेते हुए पुशिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की प्रतिदिन जानकारी उपलब्ध कराने तथा कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने कहा। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस लेन के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना अथवा जनहानि की स्थिति निर्मित न हो।

लोक भवन में दीपावली मिलन समारोह आयोजित

रायपुर, 13 नवंबर। लोक भवन में आज राज्यपाल श्री रमेन डेका की उपस्थिति में दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में लोक भवन के अधिकारियों-कर्मचारियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर लोक भवन परिवार के सदस्यों और उनके बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और उमंग का वातावरण बना दिया। समारोह के दौरान लोक भवन के कर्मचारियों और उनके परिजनों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने भी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली के उपहार भी भेंट किए। इस अवसर पर राज्यपाल ने सत्यम योग संस्थान के सदस्यों को भी सम्मानित किया। योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और उसके माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के लिए उन्होंने संस्थान के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के अन्नकूट महोत्सव में हजारों भक्तों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

अलौकिक श्रृंगार दर्शन के साथ भक्ति का रहा माहौल,सेवा में जुटे रहे स्वयंसेवक

राजनांदगांव ,13 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति द्वारा आयोजित अन्नकूट महामहोत्सव में हजारों भक्तों ने भगवान श्री सत्यनारायण के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर अन्नकूट महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंदिर एवं धर्मशाला परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। भगवान के जयघोष और भक्ति गीतों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि अन्नकूट पर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा किए जाने की पौराणिक घटना की स्मृति से जुड़ा है। जब इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासी मूसलाधार बारिश से संकट में आ गए थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी की रक्षा की थी। अन्नकूट महोत्सव इसी प्रसंग के माध्यम से प्रकृति और अन्न के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है।

अद्भुत और अलौकिक श्रृंगार के भक्तों ने किए दर्शन

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के उत्सव प्रभारी लक्ष्मण लोहिया, श्याम खंडेलवाल, राजेश अग्रवाल बालाजी एवं विजय खंडेलवाल ने बताया कि भगवान श्री सत्यनारायण का विशेष एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। वर्षों से निरंतर भगवान के दर्शन करने वाले भक्तों द्वारा महाआरती उतारी गई तथा भगवान को अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया।

राधा-कृष्ण और गोवर्धननाथ का भव्य दरबार

श्री सत्यनारायण धर्मशाला में भगवान राधा-कृष्ण एवं गोवर्धननाथ जी का भव्य दरबार सजाया गया। अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर अनेक प्रकार की सब्जियों को मिलाकर तैयार की गई सब्जी, पूड़ी एवं बूंदी का भोग भगवान श्री सत्यनारायण को अर्पित किया गया। इसके पश्चात उपस्थित हजारों भक्तों को अन्नकूट महाप्रसाद वितरित किया गया। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के भवन व्यवस्था प्रभारी नीतीश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल एवं ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था व्यवस्थित रूप से की गई, जिससे बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने सहजता से प्रसाद ग्रहण किया।

सेवा भाव से जुटे रहे स्वयंसेवक

समिति के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य विष्णु लोहिया एवं अशोक लोहिया ने कहा कि अन्नकूट पर्व प्रकृति, अन्न, जल एवं गौ माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और उसके संरक्षण को अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानने का संदेश देता है। महाप्रसाद वितरण के दौरान समिति के स्वयंसेवक पूरे सेवाभाव के साथ जुटे रहे। धर्मशाला के मैनेजर आनंद वासनिक एवं गुलशन सिन्हा की भी व्यवस्था में विशेष भूमिका रही। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरण से लेकर अन्य व्यवस्थाओं में सक्रिय सहभागिता निभाई। भक्तों ने स्वयंसेवकों की सेवाभावना की सराहना करते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया।



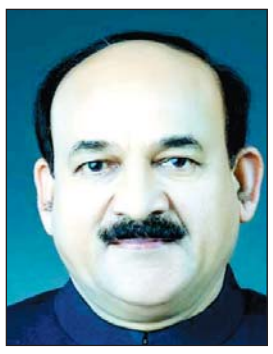
कांग्रेस के शासन व राहुल गांधी को सही ठहराने का प्रयास

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की नई किताब देश के बाजार में आज बिकने आ गई है और कांग्रेसियों सहित कांग्रेस समर्थक लोगों ने खूब खरीदा भी होगा।सवाल उठता है सोनिया गांधी को यह किताब लिखने की जरूरत क्यों महसूस हुई वह भी जब २०१४ के बाद से मोदी युग शुरू हुआ और इस युग के १२ साल बीतने के बाद भी कांग्रेस के सत्ता में लौटने की निकट भविष्य में कोई उम्मीद दिखाई नहीं देती है।इसकी दो प्रमुख वजहें यह हो सकती हैं कि एक तो पांच से चौदह तक के शासन कांग्रेस शासन को अच्छा बताना और दूसरे राहुल गांधी को हर तरह से सही बताना।मनमोहन सिंह के शासन को सही बताना सोनिया गांधी के लिए जितना जरूरी था उससे ज्यादा जरूरी हर तरह के असफल राहुल गांधी को सही बताना जरूरी था यानी राहुल गांधी भले चुनाव नहीं जिता पाए लेकिन वह सही थे।उन्होंने प्रयास बहुत किया,निरंतर प्रयास किया, लेकिन वह कांग्रेस के सफल नेताओं में अपना शुमार नहीं करा सके, एक लोकसभा चुनाव भी जीते होते तो वह अन्य कांग्रेस नेताओं की पंक्ति में उनको शामिल किया जा सकता था। सोनिया गांधी इस किताब के जरिए राहुल गांधी को आश्वस्त करती हैं कि जिस तरह मैं तुमको असफल नहीं मानती उस तरह और भी बहुत लोग हैं जो तुमको असफल नहीं मानते हैं। किताबें तो गांधी परिवार व गांधी परिवार के प्रधानमंत्रियों के शासनकाल पर बहुत सारी किताबें लिखी गई हैं। सोनिया गांधी व राहुल गांधी पर बहुत सारी लिखी जा चुकी हैं और आगे लिखी भी जाएंगी लेकिन गांधी परिवार से किसी ने आज तक कोई किताब नहीं लिखी थी क्योंकि उनको जरूरत महसूस नहीं हुई थी,सोनिया गांधी को जरूरत इसलिए महसूस हुई कि कोई आने वाला समय भाजपा का है और भाजपा के समय भारत के विकास की तमाम बातें ही लिखी,पढ़ी व कही जाएंगी।ऐसे में सोनिया गांधी की किताबों से भाजपा के शासन के बुरे पक्ष को बताना जरूरी था और यह चूंकि सोनिया गांधी ने लिखा है इसलिए आने वाले समय में भाजपा व मोदी विरोधी लोग सोनिया गांधी की बातों को दुहराकर बताते रहेंगे कि भाजपा के शासन की बुराइयां क्या थीं।पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस की आलोचना उनके शासन काल के माथे पर काला टीका है तो सोनिया गांधी की कि बात के बारे में भी यही कहा जा सकता है कि वह मोदी के समय के भाल पर नजर न लगने का काला टीका है। किताब मार्केट में आने के पहले उनके बयानों से साफ है कि उन्होंने जानबूझकर ऐसा कुछ कहा जिससे उसकी खूब चर्चा हो और ज्यादा से ज्यादा लोग किताब पढ़ने के लिए खरीदें। जैसे बाबरी मस्जिद के बार में उनका यह कहना कि जब उन्होंने टीवी पर बाबरी मस्जिद तो ढहते देखा तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। यह उनके मुसलमानों को खुश करने वाला दूसरा बयान है इससे पहले उन्होंने इशरत के मारे जाने पर यही वाक्य कहा था और उसकी आज तक चर्चा होती है।यूपी में चुनाव होने हैं और कांग्रेस को यूपी में मुसलमानों के वोट मिलने पर ही वह मजबूत हो सकती है, इसलिए राहुल गांधी व कांग्रेस की सफलता के लिए यह बयान जानबूझकर दिया गया है।उनके झूठ के पोल भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने यह कह खोल दी है कि सोनिया गांधी को बताना चाहिए कि किस चैनल पर उन्होंने बाबरी मस्जिद के ढांचे तो गिरते हुए देखा था।इसी तरह आपातकाल कांग्रेस के इतिहास का काला धब्बा है।यह अमिट काला धब्बा है,वैसे तो माना जाता है इसके लिए इंदिरा गांधी ने माफी भी मांगी थी।इसके बाद तो इसका जिक्र सोनिया गांधी को नहीं करना था लेकिन उन्होंने किया है तो इसलिए कि वह देश के सामने साफ कर देना चाहती थी कि कांग्रेस के इतिहास की इस गलती के लिए उनका परिवार यानी राजीव गांधी,सोनिया गांधी व राहुल गांधी जरा भी जिम्मेदार नहीं था, इसके लिए जिम्मेदार बताना जरूरी था इसलिए संजय गांधी व तत्कालीन वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को बताया गया है।इंदिरा गांधी के बाद सोनिया गांधी ने एक तरह से आपातकाल के दाग को हल्का करने का प्रयास किया है लेकिन भाजपा जब तक सत्ता में है वह हर साल इस दाग को गहरा करने का प्रयास करती रहेगी।क्योंकि यह तो कांग्रेस की तानाशाही का ऐतिहासिक प्रमाण है, राहुल गांधी को सही बताने के लिए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपनी नई किताब में मोदी सरकार के कामकाज और नीतियों की तीखी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में उदार लोकतंत्र वाले देशों की सूची में भारत का स्थान काफी नीचे खिसक गया है और भाजपा ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को ''व्यवस्थित ढंग से कमजोर'' किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पीछे काम कर रही वैचारिक ताकतें उस व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं, जिसने करीब 80 वर्षों से विभिन्न भाषाओं, मान्यताओं और परंपराओं वाले विविधतापूर्ण देश को एकता के सूत्र में बांधे रखा है।टेलीविजन के एंकर और निजी चैनल कभी काफी हद तक विश्वसनीय और स्वतंत्र हुआ करते थे तथा दर्शकों को अलग-अलग विचारों से परिचित कराते थे।आज वे सरकार के प्रचार तंत्र बनकर रह गए हैं।''उन्होंने कहा कि कई असहमति जताने वालों को झूठे आरोपों में बिना जमानत या मुकदमे के जेल में डाल दिया गया है। भाजपा के शासन में सार्वजनिक प्रदर्शनों की गुंजाइश काफी सीमित कर दी गई है।

15 नवम्बर जनजातीय गौरव दिवस विशेष

अबुवा दिशुम -अबुवा राज के महानायक बिरसा मुंडा

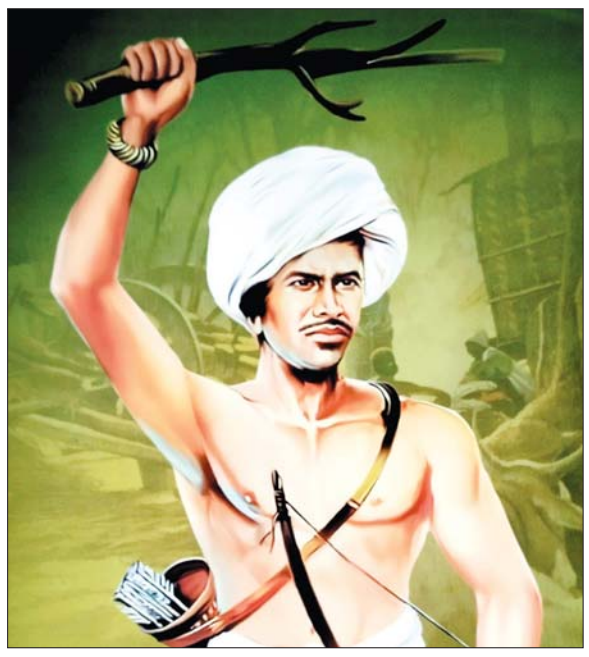
विजय मिश्रा 'अमित'



सभ्यता और संस्कृति की दृष्टि से विश्व मानचित्र पर जगमगाता हुआ भारत देश आदिमजाति बाहुल्य है। इतिहास बताता है कि महान क्रांतिकारियों की जन्मभूमि भी यह रही है। जिनके नाम और काम दैदीप्यमान नक्षत्र मंडल की तरह अजर -अमर बने हुए हैं। यहाँ विविध आदिम जातियों की जनसंख्या दस करोड़ से अधिक है,जो कि देश की कुल आबादी की करीब 8.4 प्रतिशत है। भारत का हृदय प्रांत छत्तीसगढ़ भी आदिवासी बाहुल्य राज्य है। यहाँ 43 अनुसूचित जनजातियां एवं उनके 162 उपसमूह निवासरत हैं। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजातियों का प्रतिशत 30.62 है।

देश भर की जनजातियों में 'अबुआ दिशुम अबुआ राज' अर्थात अपना देश अपना राज की अलख जगाने वाले जनजाति अमर शहीद बिरसा मुंडा थे। उनके नाम का स्मरण करते हुए छत्तीसगढ़ के महान शहीद वीर नारायण सिंह, गेंदा सिंह, गुंडा धुर,भैरम देव, इंदरू केवट को सादर नमन। इनका त्याग समर्पण न केवल जनजातियों को बल्कि समूचे देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।इनकी जिंदगी पहाड़ और घाटियों के बीच हिंसक पशुओं से जूझते हुए कटती है। इसके बावजूद इनके माथे पर निराशा की महीन रेखा भी नहीं झलकती है।तब कलमकार लिखते हैं-"आदिवासी भाइयों के मिजाज लाजवाब है गणित की किताब में वे रखते गुलाब हैं। आदिवासी समाज के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के लिए वर्ष 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाने की घोषणा की गई, जो कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म दिवस है। ब्रिटिश हुकूमत से भारत को स्वतंत्रता दिलाने में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान, शौर्य,त्याग और बलिदान की गाथा को बिरसा मुंडा के जीवन का एक- एक पल व्यक्त करता है। ब्रिटिश हुकूमत को हिला देने वाला बिरसा मुंडा का नारा "अबुआ राज एते जाना महारानी राज टुंडू जाना"अर्थात रानी का राज्य समाप्त हो और हमारा राज्य स्थापित हो।

जनजातियों के भीतर आत्म स्वाभिमान का जागरण करते हुए बिरसा मुंडा ने उन्हें एहसास कर दिया था की धरती हमारी है और



हम उसके अभिन्न अंग प्रबल रक्षक है।आदिम जनजाति समुदाय के सबसे बड़े उद्धारक महानायक बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को रांची जिला बंगाल प्रेसीडेंसी के उलिहातु ग्राम में हुआ था, जो कि अब नवगठित राज्य झारखंड के खूंटी जिला में स्थित है। इनके पिता सुगना मुंडा और माता कर्मी हातू थी। चाईबासा स्थित एक जर्मन मिशन स्कूल में अध्यनरत बिरसा मुंडा जी ने देखा है कि वहाँ आदिवासी समुदाय की संस्कृति रीति- रिवाज का उपहास उड़ाया जाता है। बिरसा ने इसका विरोध किया परिणाम स्वरूप उन्हें स्कूल से निष्कासित कर दिया गया,पर स्वाभिमानी बिरसा ना टूटे ना झुके। हमारा देश हमारा राज के सिद्धांत को लेकर आंदोलनरत रहे।बिरसा मुंडा ने छोटी उम्र मात्र पच्चीस वर्ष में ब्रिटिश हुकूमत सहित शोषक जमींदारों के खिलाफ बड़े बगावत को अंजाम दिया था। आदिवासियों की गरीबी,अज्ञानता, भोलेपन का लाभ उठाने वाले मिशनरियों के विरुद्ध महाविद्रोह छेड़ दिया था। महान क्रांतिकारी बिरसा मुंडा द्वारा ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ चलाए गए क्रांति को 'उलगुलान' नाम दिया गया था। उलगुलान अर्थात महा विद्रोह 1895 से लेकर 1900 तक चला था।जनजातियों की जमीन और जंगल संबंधी अधिकारों को लेने के लिए बिरसा जी को जब पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा था तब उन्होंने 1894 में एक नया धार्मिक संगठन " बिरसाइत पंथ " को जन्म दिया। जिनके अनुयाई कट्टर मातृभूमि, प्रकृति प्रेमी थे।वे माँस -मंदिरा से परे स्वनिर्मित भोजन,सादगी संयम पूर्ण जीवन जीते थे। बिरसा जी के कठोर संघर्षों का ही सुफल रहा कि 1908 में एक कानून बना,जिसके तहत आदिवासियों की जमीन को गैर आदिवासियों के नाम नहीं किया जा सकता। वह कानून आज भी लागू है।

आदिवासी समुदाय उन्हें 'धरती आबा अर्थात धरती के पिता' के नाम से पूजने लगा।

आदिवासी समाज के पुनरुत्थान के महानायक बिरसा मुंडा को भगवान का दर्जा प्राप्त होना अंग्रेजों को खटकने लगा। मिशनरियों के धर्मांतरण के मार्ग पर बिरसा मुंडा सबसे बड़े बाधक बन गए थे। तब षडयंत्र पूर्वक अंग्रेजों ने बिरसा मुंडा को बंदी बना लिया ,यद्यपि उनके विरुद्ध कोई ठोस प्रकरण अंग्रेज नहीं बना पाए।ऐसे में दोष मुक्त होकर उनके कारावास से छूटने और पुनः आंदोलन करने का भय अंग्रेजों के भीतर भरा हुआ था। ऐसी स्थिति में बंदीगृह में बिरसा मुंडा की संदेहास्पद मृत्यु 9 जून 1900 को हो गई।उनकी मृत्यु को लेकर इतिहासकारों के अलग-अलग मत हैं। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' पर छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय समारोह किया जाता है। सरकार का यह निर्णय जनजाति सेनानियों के सम्मान, जनजाति संस्कृति का संरक्षण, संवर्धन तथा जनजाति जीवन शैली को जानने का बृहद अवसर प्रदान करता है। साथ ही आमजनों के जीवन को सेहतमंद, समृद्धशाली बनाने में आदिवासी समाज के महत्वपूर्ण योगदान का समुचित प्रचार प्रसार करता है।छत्तीसगढ़ राज्य गठनोपरांत आदिवासी संस्कृत सहित आदिवासी नायकों के नाम से सम्मान सहित जनहितकारी योजनाएं आरंभ हुई है। जिससे आदिवासी समाज का वास्तविक विकास हुआ है। शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना,श्रमअन्न योजना, युवा स्वावलंबन योजना, बिरसा मुंडा के नाम पर धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष योजना, बैगा- गुनिया, आदिवासी पुरोहितों का सम्मान बढ़ाने हेतु बैगा गुनिया हड़जोड़ सम्मान योजना तथा आदिवासी बाहुल्य ग्रामीण अंचलों में बैंकिंग कौशल, डिजिटल सेवाएं जैसे अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देने हेतु शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा योजना की शुरुआत करके सरकार ने अभिनव पहल की है। फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में इस समाज का मान बढ़ा और छनकर यह बात जनमन के बीच उजागर हुई है "असभ्य कहता जिसे सभ्य संसार है,वही जग का सच्चा पालनहार है"।

राशिफल

मेष राशिः आज पारिवारिक और वैवाहिक रिश्तों में समझदारी से काम लेना होगा। जीवनसाथी की नाराजगी दूर करने के लिए बातचीत करें। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और फिलहाल उधार लेने से बचें। कारोबार में जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें।

वृषभ राशिः आज का दिन खुशियों और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। विद्यार्थियों को नया कोर्स या कौशल सीखने का अवसर मिल सकता है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। घर में मेहमान के आगमन से खुशियां बढ़ेंगी। किसी करीबी की मदद से नौकरी से जुड़ी परेशानी दूर हो सकती है।

मिथुन राशिः आज आपकी प्रतिभा और हुनर को पहचान मिलेगी। कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिल सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कामकाज के सिलसिले में यात्रा के योग हैं। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

कर्क राशिः आज आर्थिक परेशानियों से राहत मिलने के संकेत हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा विवाद बातचीत से सुलझ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। परिवार में सुखद माहौल रहेगा।

सिंह राशिः आज आमदनी में वृद्धि और नए संपर्क बनने के योग हैं। कारोबार में सुधार होगा और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सरकारी विभाग में अटका काम पूरा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नया अवसर या नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है। किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले शर्तों की जांच करें।

कन्या राशिः आज दोस्तों के साथ मनोरंजन का अवसर मिलेगा, लेकिन जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों पर ध्यान दें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। संतान से जुड़ी चिंता रह सकती है। जरूरी काम दूसरों के भरोसे छोड़ने के बजाय स्वयं पूरा करने का प्रयास करें।

तुला राशिः आज कार्यक्षेत्र में तनाव और मतभेद की स्थिति बन सकती है। अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखें। मेहनत का फल मिलने की संभावना है। संतान की सेहत का ध्यान रखें। अनजान लोगों के साथ आर्थिक लेन-देन करने से बचें। घर में मेहमान आने से खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज चुनौतियों का सामना साहस और आत्मविश्वास से करेंगे। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी मिलेगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ बातचीत से पारिवारिक विवाद सुलझने के योग हैं।

धनु राशिः आज खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। आर्थिक योजनाओं पर गंभीरता से विचार करें और अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। मां की ओर से कोई जिम्मेदारी मिल सकती है। भाई-बहनों की भावनाओं का ध्यान रखें। पिता की किसी बात से मन दुखी हो सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखें।

मकर राशिः आज नए विचार कारोबार को नई दिशा दे सकते हैं। साझेदारी में काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। सरकारी योजनाओं में निवेश से पहले नियम और शर्तें अच्छी तरह जांच लें। अनजान लोगों पर भरोसा करने से बचें। पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है।

कुंभ राशिः आज विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र की राजनीति और विवादों से दूरी बनाए रखें। संतान के अच्छे प्रदर्शन से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें। नए काम की शुरुआत के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो सकती हैं।

मीन राशिः आज कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने के योग हैं। कार्यालय में सम्मान, उपहार या काम की सराहना हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े ऋण की मंजूरी मिलने की संभावना है। दोस्तों के साथ संबंध मधुर रहेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

व्यंग्य

काला सांड

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'



सेंसर नंबर 78 ने किलोमीटर 142 पर एक छोटी कार को 118 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गुजरते हुए रिकॉर्ड किया था। स्क्रीन पर एआई सिस्टम ने तुरंत ग्रीन सिग्नल दिया 'स्वीकार्य गति सीमा के भीतर। लेन अनुशासनः 100%। वाहन सुरक्षित।'कंट्रोल रूम के वातानुकूलित सन्नाटे में सब कुछ कंप्यूटर के कोड जैसा सुव्यवस्थित था।उस मोड़ पर स्ट्रीट लाइट्स की तांबे की तारें कई महीने पहले चोरी हो चुकी थीं। और ठीक उस सबसे तेज चलने वाली 'फास्ट लेन' के डामर पर पांच सौ किलो का एक विशाल काला सांड आराम से बैठा था।एक्सप्रेसवे के एआई कैमरे उस सांड को देख ही नहीं सकते थे, क्योंकि सॉफ्टवेयर को केवल 'पंजीकृत नंबर प्लेट' पहचानने के लिए कोड किया गया था। बिना नंबर प्लेट वाली किसी भी जैविक बाधा को सिस्टम 'शून्य' मानकर खारिज कर देता था।कार में बत्तीस साल का केशव अपनी पत्नी शालिनी और छह साल की बेटी आरवी के साथ दीपावली की छुट्टियों के बाद घर लौट रहा था।कार के भीतर धीमी आवाज में संगीत बज रहा था और आरवी अपने पिता के कंधे पर सिर रखकर सो रही थी।अचानक कार के हेडलाइट्स की रोशनी में वह काला पहाड़ बिजली की तरह कौंधा। फासला मात्र बीस मीटर का था।केशव ने पूरी ताकत से ब्रेक पैडल दबाया, लेकिन एक सौ बीस की रफ्तार को रुकने के लिए जिस दूरी की जरूरत थी, वह कंक्रीट के उस रास्ते पर मौजूद नहीं थी।एक भयानक, कान के पर्दे फाड़ देने वाली गड़गड़ाहट के साथ कार उस भारी जानवर से टकरा गई।गाड़ी हवा में तीन बार घूमी और डिवाइडर के लोहे के क्रैश-बैरियर को चीरती हुई पलट गई।धुआं, पिघलता हुआ प्लास्टिक और शीशों की खूनी बारिश।केशव ने खून से लथपथ होकर अपनी कांपती उंगलियों से सीटबेल्ट खोली। वह घिसटते हुए पिछली सीट की तरफ लपका। आरवी का सिर सामने की टूटी खिड़की से टकरा चुका था। उसके माथे से खून का फव्वारा बह रहा था।केशव चीखा, "आरवी! मेरी बच्ची... आंख खोलो बेटा!"दस मिनट के भीतर एक्सप्रेसवे की पेट्रोलिंग वैन सायरन बजाती हुई मौके पर पहुंची।अधिकारी ने अपनी जेब से टैबलेट निकाला और दुर्घटनास्थल का डिजिटल पंचनामा बनाने लगा।केशव ने उसके पैर पकड़ लिए, "साहब, एम्बुलेंस बुलाइए! मेरी बेटी की सांसें टूट रही हैं!"अधिकारी ने चश्मा ठीक किया और बड़ी प्रशासनिक गंभीरता से बोला, "केशव जी, एम्बुलेंस डिस्पैच हो चुकी है, लेकिन पहले आप नियम समझिए। एक्सप्रेसवे के बायलॉज के तहत आपने फास्ट लेन में अचानक हार्ड-ब्रेक लगाया, जिससे पीछे आने वाले ट्रैफिक के लिए जोखिम पैदा हुआ। और आपकी गाड़ी का फास्टैग ब्लैकलिस्टेड दिखा रहा है।"केशव की आंखों से आंसुओं के साथ खून बह रहा था। उसने चिल्लाकर कहा, "अरे अंधे हो क्या? वो सामने मरा पड़ा सांड नहीं दिख रहा? हमने हर पचास किलोमीटर पर दो सौ रुपये टोल किस बात का दिया है? सड़क पर जानवर कैसे आया?"अधिकारी ने दार्शनिक भाव से समझाया, "देखिए भाई, आवारा मवेशी कानून की नजर में 'एक्ट ऑफ गॉड' यानी दैवीय आपदा हैं। हमारा अनुबंध केवल कंक्रीट की सड़क बनाने और टोल टैक्स वसूलने का है। पशुओं को पकड़ना स्थानीय ग्राम पंचायत और पशुपालन विभाग का अधिकार क्षेत्र है। हमारा सॉफ्टवेयर सिर्फ स्पीड और टोल नापता है, सांडों को भगाना हमारे टेंडर की शर्तों में शामिल नहीं है।"व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यही है, वह खून के धब्बे पर भी अधिकार क्षेत्र का विवाद खड़ा करके फाइल बंद कर देती है।केशव ने अपनी गोदी में आरवी को उठाया। बच्ची का नन्हा शरीर एकदम ढीला पड़ चुका था। उसकी कलाई से प्लास्टिक की गुलाबी घड़ी टूटकर सड़क के खून सने डामर पर गिर गई थी।आरवी ने अपने पिता के सीने में अपना चेहरा छुपाया और हमेशा के लिए शांत हो गई।ठीक उसी पल, केशव की जेब में पड़े टूटे हुए मोबाइल पर फास्टैग का एक ऑटोमेटेड मैसेज चमका 'धन्यवाद! किलोमीटर 142 के टोल प्लाजा पर 180 रुपये की सफल कटौती। सुखद यात्रा ही हमारा संकल्प है।'केशव उस खून से सनी कंक्रीट की सड़क पर अपनी मृत बच्ची को गोद में लिए बैठ गया।और उस रात के अंधेरे में, उस एक्सप्रेसवे के चमचमाते ग्रीन साइनबोर्ड पर हरी लाइटों में लिखा था 'गति ही प्रगति हैः विश्वस्तरीय भारत में आपका स्वागत है।'

14 नवंबर बाल दिवस

अधिकार, संस्कार और सुनहरे भविष्य का संकल्प

सुनील कुमार महला



बच्चों के मौलिक अधिकारों, उनकी शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने तथा उन्हें सुरक्षित एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का भी अवसर है, जिन्हें बच्चे स्नेहपूर्वक 'चाचा नेहरू' कहकर पुकारते थे। वास्तव में, बाल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण से बचाकर उनके अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें अच्छी शिक्षा एवं समुचित पोषण उपलब्ध कराना और उनके संपूर्ण विकास के लिए सुरक्षित तथा खुशहाल वातावरण तैयार करना है, ताकि वे देश के बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।गौरतलब है कि वर्ष 1889 में जन्मे पंडित जवाहरलाल नेहरू की वर्ष 2026 में 137वीं जयंती है। वर्ष 1964 में उनके निधन के बाद से 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई और इस वर्ष इसका 63वाँ आयोजन है। वहीं, प्रतिवर्ष 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस (विश्व बाल दिवस) मनाया जाता है। इस अवसर पर यूनिसेफ बच्चों के अधिकारों, कल्याण और उनके बेहतर भविष्य से जुड़े मुद्दों को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता देता है तथा प्रतिवर्ष इस दिशा में एक विशेष विषय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज रफ्तार युग में जी रहे हैं। ऐसे में बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के बदलते बचपन और उनके सामने उभरती नई चुनौतियों पर गंभीर चिंतन करने का अवसर भी बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के बच्चे मिट्टी के खिलौनों और दादी-नानी की कहानियों की दुनिया से निकलकर स्मार्टफोन, टैबलेट और एल्गोरिदम की आभासी दुनिया में बड़े हो रहे हैं। जहाँ एक ओर एआई ने व्यक्तिगत शिक्षा, त्वरित ज्ञान और दिव्यांग बच्चों के लिए सीखने के नए द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर तैयारशुदा और पलभर में मिलने वाले उत्तरों की सुविधा ने उनकी मौलिक कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और स्वयं प्रयास करके सीखने की प्रवृत्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।ऐसे में इस बाल दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता यही है कि हम बच्चों को तकनीक का गुलाम बनाने के बजाय उसका विवेकशील उपयोगकर्ता बनाएं। उनके हाथों में स्मार्ट उपकरण थमाने के साथ-साथ उनके भीतर मानवीय संवेदनाओं, खेल के मैदान की ऊर्जा और प्रकृति से जुड़ाव की लौ भी जीवित रखें। तकनीक उनके ज्ञान और विकास का साधन बने, न कि उनके स्वाभाविक बचपन और रचनात्मकता पर हावी होने का माध्यम।

वास्तव में, बाल दिवस आत्ममंथन करने का दिन है कि हम अपने बच्चों को कैसा बचपन और कैसा भविष्य दे रहे हैं। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तकनीक बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम उम्र में ही उनके मन-मस्तिष्क पर हावी होने लगा है, तब बच्चों के विकास को केवल अच्छे अंक और बेहतर करियर तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। सच तो यह है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे पहले उन्हें सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और भयमुक्त वातावरण देना जरूरी है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि बच्चे का व्यक्तित्व केवल स्कूल की चारदीवारी में नहीं बनता, बल्कि परिवार, समाज, मित्रों और परिवेश से भी आकार लेता है। माता-पिता का समय, उनका व्यवहार, आपसी संवाद और दिए गए संस्कार बच्चे के मानसिक एवं भावनात्मक विकास की बुनियाद होते हैं। अतः आज जरूरत इस बात की है कि माता-पिता बच्चों पर अपनी अपेक्षाएँ थोपने के बजाय उनकी रुचियों, क्षमताओं और भावनाओं को समझें तथा उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर दें।

स्वामी विवेकानंद के शब्दों में कहें तो, 'मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है।' अर्थात् शिक्षा भीतर छिपी श्रेष्ठ संभावनाओं को बाहर लाने का माध्यम है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना और नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील तथा जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।सच तो यह है कि बच्चों को सवाल पूछने, तर्क करने, नई चीजें सीखने और अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। रटने और अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलकर शिक्षा को रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जोड़ना समय की मांग है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा करना ही नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही-गलत में अंतर समझना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी सिखाए।

आज के डिजिटल दौर में बच्चों को मोबाइल और आभासी दुनिया तक सीमित रखने के बजाय मैदान, पुस्तकालय, प्रकृति और वास्तविक सामाजिक जीवन से जोड़ना भी बेहद जरूरी है। बच्चों के विकास में खेलकूद, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या की अहम भूमिका होती है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व, धैर्य और हार को स्वीकार करने की सीख भी देते हैं। इसी तरह संगीत, साहित्य, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता को समृद्ध करती हैं।इसके साथ ही,आज बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें समझना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में होती है तो किसी की साहित्य, खेल, संगीत या कला में। किसी की सीखने की गति तेज होती है तो किसी को थोड़ा अधिक समय चाहिए। ऐसे में बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, छोटी-छोटी गलतियों पर उन्हें अपमानित करना और असफलता को अपराध की तरह देखना उनके आत्मविश्वास को कमजोर करता है। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।बच्चों में संवेदनशीलता, समानता, पर्यावरण संरक्षण, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे जीवन-मूल्यों का विकास भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी केवल उन्हें सफल व्यक्ति बनाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनाना भी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात तब तक अधूरी है, जब तक समाज उनके मौलिक अधिकारों और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझता। बाल श्रम, बाल विवाह, शोषण, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा से वंचित बच्चों की समस्याओं के प्रति समाज को गंभीर होना होगा। प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलना उसका मौलिक अधिकार है, किसी का उपकार नहीं।यह भी जरूरी है कि परिवार, विद्यालय, समाज और सरकार मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ बच्चे बिना किसी भय और दबाव के अपनी प्रतिभा को निखार सकें। उनकी बात सुनी जाए, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित किया जाए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझा जाए। बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानूनों और सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, इसके लिए सामाजिक संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी हैं। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें हर बच्चा शिक्षित, स्वस्थ और सुरक्षित हो। यह अवसर हमें संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें तथा समाज उन्हें बाल श्रम, शोषण और अन्य सामाजिक बुराइयों से बचाने के लिए सजग रहे।बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार, प्रेम, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि आज के बच्चों को उचित मार्गदर्शन, शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, तो कल का भारत स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बनेगा। हर बच्चे को खिलखिलाने, खेलने, अपनी जिज्ञासाओं को उड़ान देने और सपनों को साकार करने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।अंततः, बाल दिवस की सच्ची सार्थकता केवल समारोहों, भाषणों और उपहारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी में भी दिखाई देनी चाहिए, क्योंकि जिस समाज का बचपन सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और खुशहाल होता है, उसी समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है।

एक नजर

रायपुर को सबसे स्वच्छ शहर की रैंकिंग मिलना गर्व की बातःगायत्री चंद्राकर



रायपुर, 13 नवंबर। रायपुर शहर को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता में छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे स्वच्छ शहर की रैंकिंग प्राप्त होना सभी शहरवासियों और प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। यह रायपुर शहर के नागरिकों की जागरूकता के फलस्वरूप है. वही यह स्वच्छता कर्मियों की मेहनत, नगर निगम प्रशासन के नीतिगत निर्णय एवं जनप्रतिनिधियों के अथक प्रयास का परिणाम है, जो आज रायपुर शहर को स्वच्छता के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया है। रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री चंद्राकर ने स्वच्छ भारत मिशन अतर्गत रायपुर शहर को स्वच्छता में छत्तीसगढ़ राज्य में सबसे स्वच्छ शहर की रैंकिंग भारत सरकार की ओर से प्राप्त होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित रायपुर नगर पालिक निगम के समस्त वार्ड पार्षद जनप्रतिनिधियों और समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी

शासकीय कन्या हाई स्कूल करहीभदर में 'मिशन वात्सल्य' एवं 'मिशन शक्ति' जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

बालोद, 13 नवंबर। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के आदेश एवं मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री गजानंद साहू के नेतृत्व में शासकीय कन्या हाई स्कूल करहीभदर में 'मिशन वात्सल्य' एवं 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण, महिला सुरक्षा तथा सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराकर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग व जागरूक बनाना रहा।कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को बाल अधिकार, बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन तथा बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार से बचाव से जुड़े कानूनी व सामाजिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित सेवाओं की जानकारी देते हुए आपातकालीन 'चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098' तथा मिशन शक्ति के तहत 'महिला हेल्पलाइन नंबर 181' के उपयोग एवं कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से बताया गया। वक्ताओं ने छात्राओं को किसी भी प्रकार की समस्या, शोषण अथवा असुरक्षित परिस्थिति का सामना करने पर निर्भीक होकर संबंधित हेल्पलाइन व सहायता सेवाओं से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही जागरूकता बैनर एवं पोस्टरों के माध्यम से सुरक्षित वातावरण निर्माण और बच्चों के सर्वांगीण विकास का संदेश प्रसारित किया गया।

वार्ड-20 के भूरवाटोला के तालाब में डूबने से दो मासूमों की मौत

डोंगरगढ़, 13 नवंबर (तछसं.)। शहर के वार्ड क्रमांक 20 अंतर्गत भूरवाटोला स्थित बिनोखा तालाब में डूबने से दो नाबालिग बच्चों की मौत हो गई। घटना गुरुवार दोपहर की है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे दोपहर करीब 12 बजे नहाने के लिए तालाब गए थे। इनमें एक बच्चा 12 वर्ष का था, जो छठवीं कक्षा में पढ़ता था, जबकि दूसरा 7 वर्ष का था और पहली कक्षा का छात्र था। दोनों बच्चे डोंगरगढ़ में ही पढ़ाई करते थे। दोपहर करीब 2 बजे तक जब दोनों बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की।इसी दौरान स्थानीय लोगों को तालाब में एक बच्चे का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने दूसरे बच्चे की भी तलाश शुरू की, तो उसका शव भी तालाब में मिला। दोनों बच्चों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों बच्चों के शव परिजनों को शाम कों सौंप दिए गए। परिजनों ने गुरुवार रात ही दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार करने की जानकारी दी । एक साथ दो मासूम बच्चों की मौत से परिवारों में मातम पसरा हुआ है, वहीं वार्ड में भी शोक का माहौल है।

धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन, जिले में पिछले वर्ष की तुलना में 3,453 किसान बढ़े

बालोद, 13 नवंबर (तछसं.)। आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के तहत जिले में किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। इस वर्ष जिले में कुल 1 लाख 58 हजार 572 किसानों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 3 हजार 453 किसानों की वृद्धि दर्ज की गई है।कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन का विशेष जोर है कि किसानों को पंजीयन से लेकर धान विक्रय तक किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें शासन की समर्थन मूल्य योजना का लाभ आसानी से मिल सके।खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले के 1,58,572 किसानों ने पंजीयन कराया है, जबकि पिछले वर्ष 2025-26 में 1,55,119 किसान पंजीकृत थे। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 3,453 अधिक किसानों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है।कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने, व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया है।जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले का प्रत्येक पंजीकृत किसान बिना किसी परेशानी के अपनी उपज का विक्रय कर सके।

विद्या ज्योति स्कूल के दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का शुभारंभ

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



जगदलपुर, 13 नवंबर। नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था विद्या ज्योति स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का शुभारंभ 12 नवंबर 2026 को हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी, जिला बस्तर श्री अभय राम नोनहरे के करकमलों से किया गया। खेलोत्सव का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट एवं खेल भावना की शपथ के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री नोनहरे ने 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिताओं का आगाज किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अभय राम नोनहरे ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग और आपसी भाईचारे की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण जरिया भी है। एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान उसकी जीत से नहीं, बल्कि खेल के प्रति समर्पण और खेल भावना से होती है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी शिक्षा का अभिन्न अंग है। हार-जीत खेल का हिस्सा है, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को सकारात्मक सोच और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए तथा विद्यालय, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर क्षेत्र एवं देश का नाम रोशन करना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य एन्थोनी ने मुख्य अतिथि श्री नोनहरे का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने बताया कि यह वार्षिक खेलोत्सव दो दिनों तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खेलोत्सव के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, दौड़, हाई जंप, लॉन्ग जंप, गोला फेंक, साइकिल रेस एवं रस्सीकूद सहित अनेक रोचक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर रोजवीन द्वारा पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली।खेलोत्सव का समापन 13 नवंबर 2026 को होगा। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन विद्यालय की खेल अधिकारी मकसुदा हुसैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में खेल के प्रति उत्साह, प्रतिस्पर्धा की भावना, अनुशासन और टीम भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सर्वांगीण विकास का प्रेरणादायक संदेश दिया

दंतेवाड़ा में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित

विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 77 हजार 767 मतदाता पंजीकृत, 11 दिसंबर तक लिए जाएंगे दावा-आपत्ति



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 13 नवंबर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत गुरुवार को दंतेवाड़ा जिले में प्रारूप फोटोयुक्त मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया। जिले के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों सहित समस्त मतदान केंद्रों में मतदाता सूची प्रकाशित की गई।

इस अवसर पर कलेक्टोरेट स्थित जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन की जानकारी देते हुए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की प्रतियां तथा फोटोरहित मतदाता सूची की सीडी निःशुल्क प्रदान की गई। साथ ही सेवा निर्वाचकों से संबंधित निर्वाचक नामावली के अंतिम भाग की सूची भी उपलब्ध कराई गई।

95 हजार से अधिक महिला मतदाता

प्रारंभिक मतदाता सूची के अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 88-दंतेवाड़ा (अजजा) में कुल 1,77,767 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 82,418 पुरुष, 95,348 महिला तथा एक तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। क्षेत्र का मतदाता लिंगानुपात 1157 है। जिले में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 2,264 युवा मतदाता दर्ज हैं। इनमें 1,203 पुरुष, 1,060 महिला और एक तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा 85 वर्ष से अधिक आयु के 409 वरिष्ठ नागरिक तथा 2,299 दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं। वहीं 369 सेवा कार्मिक भी मतदाता सूची में शामिल हैं।

निर्वाचन विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन प्रस्तावित है।

ऑनलाइन भी कर सकेंगे आवेदन

मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन आयोग ने ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी की है। नागरिक निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पोर्टल https://voters.eci.gov.in/ तथा ECINET ऐप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम एवं अन्य विवरणों में संशोधन तथा निवास स्थान परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकते हैं। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और अधिकाधिक मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आम नागरिकों को जागरूक करने में सहयोग की अपील की। इस दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले के 18 नवीन धान उपार्जन केंद्रों में इस बार होगी धान की खरीदी

बालोद, 13 नवंबर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बालोद जिले में 18 नवीन धान उपार्जन केंद्रों के लिए ग्राम मैपिंग का कार्य किया गया है। इन नवीन केंद्रों के अंतर्गत आसपास के गांवों को शामिल किया गया है। इससे जिले के 12 हजार 853 किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। अब किसानों को धान बेचने के लिए दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक जाने की परेशानी से राहत मिलेगीकलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार किसानों की सुविधा, स्थानीय आवश्यकताओं और धान खरीदी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि किसानों को उनकी उपज बेचने के लिए नजदीक में ही बेहतर सुविधा मिले तथा खरीदी प्रक्रिया सुगम, व्यवस्थित और पारदर्शी हो।जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, दुर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 18 नवीन धान उपार्जन केंद्रों के लिए ग्राम मैपिंग की गई है। इनमें चंदनबिरही, सनौद, पेन्डरवानी, बम्हनी, ठेमाबुजुर्ग, नलकसा, भर्रीटोला 43, खलारी, बिटाल, चिखली, झरनटोला, परसाडीह ज., भुरकाभाट, डुण्डेरा, कमरौद, सरेखा, खोलझर और बरही (मटिया बी) शामिल हैं।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय-सीमा में करें निराकरण, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बालोद, 13 नवंबर। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों से जुड़ी शिकायतों और आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करें। आम जनता को शासकीय सेवाओं का लाभ दिलाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपर कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ताओं से संपर्क किया जाए तथा उनकी समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, डायवर्सन और प्राकृतिक आपदा से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण किया जाए। समय-सीमा से बाहर के आवेदनों की नियमित समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाए।राजस्व प्रकरणों और अन्य कार्यों की लंबित स्थिति पर नाराजगी जताते हुए अपर कलेक्टर ने सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुविभाग में सबसे अधिक प्रकरण लंबित रखने वाले कम से कम दो-दो पटवारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। इनमें राजस्व प्रकरण, डीसीएस सर्वे तथा प्राकृतिक आपदा से संबंधित लंबित कार्य शामिल हैं। निलंबन की कार्रवाई के साथ ही संबंधित पटवारियों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ कर आरोप पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए गए। पूर्व में जिन पटवारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, उनके मामलों में भी आरोप पत्र जारी करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने को कहा गया।

आगामी धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाने के लिए अपर कलेक्टर ने सभी तहसीलों के अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। शनिवार और रविवार तक आवंटित केंद्रों का अनिवार्य रूप से भ्रमण कर बारदाना, तौल कांटा, किसानों के आवागमन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेने को कहा गया। प्रत्येक तहसील में तीन-तीन अधिकारियों की टीम गठित कर पांच से दस उपार्जन केंद्रों की जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश दिए गए, ताकि केंद्रों की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जा सके।अपर कलेक्टर श्री वैद्य ने सभी एसडीएम, तहसीलदारों एवं मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे राजस्व विभाग के कार्यों के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन में पूरी गंभीरता बरतें। लंबित शिकायतों का समय पर निराकरण कर आम नागरिकों को राहत प्रदान करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री हरिवंश सिंह मिरी, श्री गिरधारी लाल यादव एवं श्री नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष, भू-अभिलेख अधीक्षक श्री भूपेन्द्र ताण्डेकर, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री इंद्रजीत सेन, जिले के सभी एसडीएम सहित अन्य राजस्व अधिकारीगण वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के अन्नदाताओं को साय सरकार की बड़ी सौगात

रायपुर, 13 नवंबर । छत्तीसगढ़ के किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने और कृषि को अधिक लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है?। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के अध्यक्ष श्री शशिकांत द्विवेदी ने बताया कि कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2026 से %कृषक उन्नति योजना% के क्रियान्वयन हेतु विस्तृत एवं नवीन दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस योजना के माध्यम से राज्य के किसानों को प्रति एकड़ के मान से ?13,839 की भारी-भरकम आदान सहायता राशि सीधे उनके आधार-लिंक्ड बैंक खातों में प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी ने

राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी और किसान-हितैषी योजना के लागू होने पर प्रदेशभर के किसानों की ओर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मार्कफेड के अध्यक्ष श्री द्विवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार कृषि को निरंतर लाभ का धंधा बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है, जिससे अन्नदाताओं का जीवन स्तर ऊंचा उठ रहा है।इस महत्वपूर्ण अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) श्री शशिकांत द्विवेदी जी ने प्रदेश के समस्त कृषकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में मार्कफेड के माध्यम से धान उपार्जन और इस योजना के सुचारू संचालन से प्रदेश के किसानों की खेती की लागत में बड़ी राहत मिलेगी।

योजना के मुख्य उद्देश्य

फसल क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना। फसल की कास्त लागत में कमी लाकर कृषकों की आय बढ़ाना तथा उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर में सुधार करना।उन्नत बीज, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, कृषि यांत्रिकीकरण और नवीन कृषि तकनीकों में निवेश को प्रोत्साहित करना।बाजारोन्मुखी फसल विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाना।

वित्तीय गणित एवं आदान सहायता राशि की गणना

शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, योजनांतर्गत प्रति एकड़ सहायता राशि की गणना इस प्रकार की गई है- तय फॉर्मूला- [रु. 3100 (निर्धारित दर) - कॉमन ग्रेड धान हेतु घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य रुक्करु. 2441] उपार्जन हेतु प्रति क्विंटल निर्धारित अधिकतम मात्रा 21 क्विंटल = प्रति एकड़ रु. 13,839।

* कम धान बेचने पर भी पूरा लाभ- यदि किसी किसान द्वारा प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम मात्रा (21 क्विंटल) से कम मात्रा में भी धान/धान बीज विक्रय किया जाता है, तब भी उसे बोए गए रकबे के अनुपात में प्रति एकड़ ?13,839 की दर से ही सहायता राशि प्राप्त होगी। श्री द्विवेदी ने बताया कि भुगतान की प्रक्रिया- योजना के तहत आदान सहायता राशि का भुगतान किसानों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से किया जाएगा।

पात्रता और दिशा-निर्देश- पंजीयन और पोर्टल- खरीफ वर्ष 2026-27 में खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों/लैम्पस के माध्यम से धान बेचने वाले किसान पात्र होंगे। छत्तीसगढ़ बीज एवं जैविक प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकृत तथा बीज निगम द्वारा धान बीज उत्पादक कृषक भी इसके दायरे में आएंगे।

द्विवेदी ने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक (Agristack) में पंजीयन होना अनिवार्य है। साथ ही, किसानों द्वारा बोए गए रकबे की पुष्टि डिजिटल क्रॉप सर्वे (ष्ठष्टस्) में होने के बाद ही लाभ मिलेगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे का डेटा उपलब्ध न होने पर जिला कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर रकबे का सत्यापन किया जाएगा।

योजना का क्रियान्वयन एवं निगरानी

मार्कफेड की भूमिका-पंजीकृत किसानों से सहकारी समितियों/लैम्पस के माध्यम से उपार्जित धान के बोए गए रकबे पर निर्धारित आदान सहायता राशि का वितरण छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) द्वारा किया जाएगा। व्यय से संबंधित लेखा-जोखा संधारण का दायित्व भी मार्कफेड का होगा।

बीज निगम की भूमिका- बीज उत्पादक कृषकों से बीज निगम द्वारा उपार्जित धान बीज के रकबे पर देय सहायता राशि की मांग संचालक कृषि को प्रेषित की जाएगी, जिसके माध्यम से कृषकों को राशि वितरित होगी।

निरीक्षण- योजना के क्रियान्वयन एवं नियमित समीक्षा संचालक कृषि द्वारा की जाएगी, तथा एकमुश्त भुगतान की जवाबदारी भी उन्हीं की होगी। विपणन संघ के अध्यक्ष श्री द्विवेदी ने बताया कि

राज्य सरकार की यह महत्वाकांक्षी पहल प्रदेश के किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने और कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

समाचार संक्षेप

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी राहत का माध्यम, दो दिन में सुधरी विजेता नाग की जन्मतिथि



दंतेवाड़ा, 13 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और समयबद्ध निराकरण के लिए संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन जरूरतमंद लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। हेल्पलाइन के जरिए प्राप्त शिकायतों पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई किए जाने से लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान में मदद मिल रही है। ऐसा ही एक मामला दंतेवाड़ा जिले के तुड़पारास निवासी विजेता नाग का सामने आया है, जहां जन्मतिथि में हुई त्रुटि को शिकायत दर्ज होने के महज दो दिनों के भीतर सुधार दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजेता नाग के दस्तावेज में जन्मतिथि गलत दर्ज हो गई थी। इस त्रुटि के कारण उन्हें विभिन्न आवश्यक कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के निराकरण के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराते हुए संबंधित विभाग से जन्मतिथि में सुधार की मांग की। शिकायत मिलते ही संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया और आवश्यक जांच एवं प्रक्रियाएं पूरी कर मात्र दो दिनों में जन्मतिथि की त्रुटि सुधार दी। कम समय में समस्या का समाधान होने से विजेता नाग को बड़ी राहत मिली।अपनी शिकायत के शीघ्र निराकरण पर विजेता नाग ने संतोष जताते हुए शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उनका निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना है। विजेता नाग का मामला इस बात का उदाहरण है कि प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रशासनिक तत्परता से आम नागरिकों को राहत मिल सकती है। साथ ही ऐसे प्रयासों से शासन-प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास भी मजबूत होता है।

मंदिर की दान पेटी चोरी करने वाला गिरफ्तार

कोंड़ागांव, 13 नवंबर । जिले के थाना फरसगांव पुलिस द्वारा मंदिर के दान पेटी को चोरी करने वाले एक आरोपी हरेन्द्र गुप्ता को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक नग मोबाईल, नगदी रकम 500 रूपये, एक नग लोहे का रॉड, एक नग आरी ब्लेड जप्त किया गया है। आरोपी हरेन्द्र गुप्ता निवासी कोंड़ागांव नहरपारा को गिरफ्तारी करने का पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से आज गुरूवार को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।फरसगांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जगदेव मरकाम पिता सरादू राम मरकाम उम्र 27 वर्ष निवासी छिंदली ने 08 अक्टूबर 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि 07 अक्टूबर 2026 को गायत्री मंदिर का चैनल गेट को ताला लगाकर मंदिर के बगल के हाल में सोया था।08 अक्टूबर 2026 को सुबह करीबन 04 बजे गायत्री मंदिर पीठ मंदिर में पूजा करने गया तो देखा कि गायत्री मंदिर का बाहर चैनल गेट का ताला टूटा हुआ था। मंदिर अंदर जाकर देखे तो मंदिर का दान पेटी गायब था, दान पेटी में सभवतः 40 हजार रहा होगा। उसके बाद पता चला कि हनुमान मंदिर फरसगावं में भी चोरी हुआ है। पता चलने से वहां साथ में जाकर देखे तो वहां मंदिर का चैनल गेट को सरका कर अंदर घुसकर मंदिर अंदर रखे दान पेटी का ताला तोड़कर करीबन 03 हजार रूपये निकाल कर ले गया था। प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध कमांक 131/2026 धारा, 305 (ए), 331 (4) बीएनएस. पंजीबद्ध किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक आलोक साहू के द्वारा विशेष टीम गठित कर मुखबिर सूचना के आधार आरोपी हरेन्द्र गुप्ता पिता दिनेश गुप्ता उम्र 21 वर्ष निवासी नहर पारा कोण्डागांव को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर 08 अक्टूबर 2026 के रात्रि 1, 2 में गायत्री शक्तिपीठ मंदिर फरसगांव के चैनल गेट में लगे ताला को तोड़ कर मंदिर के अंदर घुस कर दान पेटी को चोरी कर फरसगांव स्टेडियम ग्राउण्ड के पास पैसा को निकाल कर दान पेटी को झाड के पास फेंकना बताया। उसके बाद हनुमान मंदिर फरसगावं के चैनल गेट को सरका कर दान पेटी के ताला को तोड कर पैसा चोरी कर बाहर निकाला बताया। दोबारा चोरी करने के नियत फरसगांव आना बताया जिनके कब्जे से एक मोबाईल, 500 रूपये नगद, शाक्तिपीठ मंदिर के दानपेटी, एक लोहे का रॉड, आरी ब्लेड को स्टेडियम ग्राउण्ड के बरामद कराया। जिसे मुताबिक जप्ती पत्रक जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक आलोक साहू, प्रशिक्षू उप निरीक्षक संदीप सिंह, सउनि. भोजराज भास्कर प्रधान आरक्षक गोविंद सोम, आरक्षक अर्जुन बघेल, मनोज वट्टी का यओगदान रहा।

तेज रफ्तार में पेड़ से टकराने के बाद पलटी कार,युवक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

कोरबा, 13 नवंबर । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से रफ्तार का कहर सामने आया है. कटघोरा-बांकी मुख्य मार्ग पर शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई. इसके बाद करीब 50 मीटर दूर जाकर पलट गई. हादसे में कार सवार 18 साल के युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान कार की रफ्तार काफी तेज थी. चालक के नियंत्रण खोते ही कार सीधे सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई, जिसके बाद 50 मीटर दूर जाकर पलट गई. घटना में 18 साल के युवक की मौत हो गई. उसकी पहचान रूपेश पटेल के रूप में हुई. वहीं दूसरे युवक आर्यन गोंड गंभीर रूप से घायल हो गया है स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची. युवक के शव का पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. वहीं घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया. दोनों युवकों के परिजनों को सूचित किया गया है. वही

एक नजर

पारंपरिक रूप से उल्लास के साथ मनाया भाई दूज का पर्व



गरियाबंद-छुरा , 13 नवंबर (तछसं.)। भैया दूज का पर्व कोपरा अंचल सहित आसपास के क्षेत्र में पारंपरिक तरीके से हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर मंगल तिलक कर दीर्घायु की कामना कीए वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार स्वरूप भेंट देकर मान और सम्मान तथा उसकी रक्षा करने का वचन दिया। बहनों ने पूजा-अर्चना करते हुए भाई के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। भाई और बहन के इस पवित्र त्योहार को निभाने को लेकर कई भाई दूर दराज से अपनी बहनों के पास आए हुए थे। जबकि कई बहनें भी अपने भाइयों के घर पर पहुंचकर उनका तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इस पूजा को लेकर एक अलग ही वातावरण नजर आ रहा था। भाई और बहन के बीच अटूट और पवित्र प्रेम का उदाहरण भैया दूज के त्योहार को लेकर पूरे परिवार में एक उत्साह और उल्लास का माहौल था।

दिव्यांग मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि, दावा-आपत्ति के लिए 20 नवंबर तक मौका

रायगढ़, 13 नवम्बर । जिले में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। समाज कल्याण विभाग द्वारा 'क्षितिज अपार संभावनाएं' योजनांतर्गत चयनित विद्यार्थियों की सूची जारी कर दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई है।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 10वीं में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहिरकेला, घरघोड़ा के दृष्टिबाधित विद्यार्थी कुलदीप राठिया ने 91.16 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वहीं कक्षा 12वीं में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, कोतरा की अस्थिबाधित छात्रा कु. नुपूर पटेल ने 93.60 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। योजना के तहत कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले दिव्यांग विद्यार्थी को 2 हजार रुपये तथा कक्षा 12वीं के विद्यार्थी को 5 हजार रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। चयनित विद्यार्थियों की सूची के संबंध में यदि किसी को दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी है, तो वे संबंधित प्रमाण पत्रों के साथ 20 नवंबर 2026 तक कार्यालयीन समय में कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण जिला रायगढ़ में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिले में 15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

महासमुंद, 13 नवंबर । खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से पूरे प्रदेश सहित महासमुंद जिले में प्रारंभ होने जा रहा है। जिले में धान खरीदी को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शासन के मंशानुरूप व्यापक तैयारियां की गई हैं।कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने जिले के सभी 202 धान खरीदी केंद्रों के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण के लिए जिला एवं अनुविभाग स्तरीय कुल 75 अधिकारियों को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। ये अधिकारी अपने निर्धारित खरीदी केंद्रों में धान उपार्जन की प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखेंगे तथा खरीदी से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन देंगे।

वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद, लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

महलोई में 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनेगा आधुनिक मॉडल स्कूल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 13 नवम्बर। जिले में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पुसौर विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महलोई को आधुनिक मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए सीएसआर मद से 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से नवीन विद्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा। जिसका आज वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी ने विधिवत भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और क्षेत्र के विकास की सबसे मजबूत नींव होती है। बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। महलोई विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरों के विद्यार्थियों की तरह आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, ताकि उन्हें आगे बढ़ने के लिए किसी प्रकार की कमी महसूस न हो। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रुचि, क्षमता और प्रतिभा को पहचानकर उसी के अनुरूप भविष्य की दिशा तय करनी चाहिए। केवल अच्छे अंक प्राप्त करना ही शिक्षा का उद्देश्य नहीं है, बल्कि ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यवहारिक कौशल विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों के सामने करियर के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। वे अपनी रुचि के अनुसार शिक्षा, तकनीक, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासनिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि वे समय का सदुपयोग करें, नियमित अध्ययन करें और निरंतर मेहनत करते रहें। असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपने सपनों को बड़ा रखें और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी एवं लगन से प्रयास करें। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद भी किया और उनके शैक्षणिक अनुभवों तथा भविष्य की आकांक्षाओं को जाना। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के जिम्मेदार नागरिक और देश के भविष्य के निर्माता हैं। इसलिए उनकी शिक्षा और सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा मॉडल स्कूल

सीएसआर मद से लगभग 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाला नया विद्यालय भवन आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं से युक्त होगा। इसमें विभिन्न विषयों के लिए आधुनिक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर कक्ष, स्मार्ट क्लासरूम सहित विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। विद्यालय को इस तरह तैयार किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ तकनीक आधारित अध्ययन का भी अवसर मिल सके। मॉडल स्कूल बनने से विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीक और व्यावहारिक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी समझ विकसित करने का बेहतर वातावरण मिलेगा। इससे पढ़ाई को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

महलोई सहित आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

विद्यालय के उन्नयन से महलोई के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। आधुनिक भवन और बेहतर शैक्षणिक संसाधनों से विद्यालय में पढ़ाई का वातावरण मजबूत होगा। इससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नए कौशल सीखने और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी करने का अवसर मिलेगा। मॉडल स्कूल का निर्माण ग्रामीण अंचल में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर भविष्य की आधारशिला बनेगा।

कुरुद में किया गया जल आवर्धन योजना का भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



कुरुद, 13 नवंबर। दीपावली पर कुरूद नगवासियों को ऐतेहासिक सौग़ात देते हुए जल आवर्धन योजना का भूमिपूजन (शिलान्यास) 12 नवंबर को दोपहर रजिस्ट्री ऑफिस के बगल जल आवर्धन केंद्र में भूमि पूजन किया गया राज्य शासन द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कुरूद बड़े नहर के माध्यम से अगामी कई वर्षों के लिए निरंतर पानी का सप्लाई करने जल आवर्धन योजना 11 करोड़ 85 लाख का भूमिपूजन शिलान्यास किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय चन्द्राकर पूर्व मंत्री एवं विधायक कुरूद, ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस जल आवर्धन योजना के बन जाने से आने वाले तीन दशकों तक कुरूद नगर को पेय जल की व्यवस्था सदैव बनी रहेगी। साथ ही उन्होंने इसके साथ ही इस योजना का लाभ चर्रा स्थित केंद्रीय विद्यालय और एग्रीकल्चर - हार्टिकल्चर कॉलेज को भी मिलेगा, जहाँ वर्तमान में जल आपूर्ति बड़ी समस्या है उससे निजात मिलेगी। उन्होंने ने कुरूद नगर पालिका को और भी अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य करने हेतु पालिका के सत्तापक्ष और विपक्ष को मिलकर नगर हित में कार्य करने की बात कहते हुए कहा कि विपक्ष और विरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन अपने कार्यक्षेत्र के प्रति जवाबदेहिता और नगर और नागरिकों की सेवा ही किसी भी जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है। इसलिए पार्टी प्रेम के बजाय राष्ट्रप्रेम, नगरप्रेम की भावना से कार्य करने की बात कही।

अति विशिष्ट अतिथि कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने भी अपने संबोधन में कुरूद नगर सहित विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य सहित शैक्षणिक संस्थाओं के निर्माण पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित समस्त लोगों को दीपावली की बधाई दी। अध्यक्षता कर रही ज्योति भानू चन्द्राकर अध्यक्ष नगरपालिका परिषद कुरूद ने कहा कि कुरूद में पेयजल व्यवस्था के विस्तार से आगामी 30 वर्षों तक दूर होगी पानी की समस्या कुरूद स्थित फिल्टर प्लांट की क्षमता वृद्धि से नगर सहित भखारा, करेली और विधानसभा के कई गाँवों को निरंतर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जल संकट से जूझ रहे एग्रीकल्चर कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय को भी इस पेयजल योजना से जोड़ा जाएगा।क्षेत्र के चौतरफा विकास और इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए विधायक श्री अजय चंद्राकर, मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथियों मे कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, नगर पंचायत पूर्व अध्यक्षगण निरंजन सिन्हा, रविकांत चन्द्राकर, उपाध्यक्ष देवव्रत साहू, स्ठरू पीयूष तिवारी, नगर पालिका सीएमओ महेंद्र राज गुप्ता,भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्णकांत साहू ,महामंत्री प्रभात बैस, समस्त पार्षदगणों मे वार्ड पार्षद मंजू प्रमोद साहू, मिथिलेश बैस, सितेश सिन्हा, महेंद्र गायकवाड़, राजकुमारी ध्रुव, रवि प्रकाश मानिकपुरी, कविता चन्द्राकर, मनीष साहू ,एल्डरमेन भानू चन्द्राकर, खिलावन यादव, नंदू चन्द्राकर, खिलेश्वर देवांगन के गरिमामयी आतिथ्य में अटल परिसर वाटर फिल्टर प्लांट मे संपन्न हुआ।

बाल विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक सोच और नवाचार की प्रतिभा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 13 नवम्बर । विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से पीएम श्री शासकीय नटवर इंग्लिश स्कूल, रायगढ़ में जिला स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे विद्यार्थियों ने विज्ञान आधारित मॉडल, परियोजनाओं और विज्ञान नाटिका के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस वर्ष प्रतियोगिता की मुख्य थीम ÷सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार÷ रखी गई थी।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे के मार्गदर्शन में आयोजित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सतत विकास और तकनीकी नवाचार जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। साथ ही दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान भी प्रदर्शित किए। व्यक्तिगत एवं सामूहिक परियोजनाओं, शिक्षण अधिगम सामग्री, प्रश्नमंच और विज्ञान नाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं वैज्ञानिक समझ का परिचय दिया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ प्रयोग, अवलोकन और तर्क के माध्यम से सीखने के लिए प्रोत्साहित करना है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित होने के साथ नई चीजें सीखने और नवाचार करने की रुचि बढ़ती है।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने दिया प्रशिक्षण



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 13 नवम्बर। बढ़ता तापमान, अनियमित मानसून और जल संकट जैसी चुनौतियों को देखते हुए रायगढ़ जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के दिशा-निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैकरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में रायगढ़ जिले में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों और उनसे निपटने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि बढ़ते तापमान, मौसम में बदलाव और अनियमित बारिश का असर कृषि, पेयजल और आम जनजीवन पर पड़ रहा है। प्रशिक्षण के दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने, केलो नदी के तटीय क्षेत्रों एवं शहरी और औद्योगिक इलाकों में पौधारोपण करने तथा पुराने पेड़ों का संरक्षण करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही भूजल स्तर बनाए रखने के लिए वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और केलो नदी के बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता बताई गई।प्रदूषण नियंत्रण के लिए उद्योगों और वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण को कम करने तथा प्लास्टिक के उपयोग को नियंत्रित करने की बात भी कही गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शासन के प्रयासों के साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण के छोटे-छोटे प्रयासों से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी डॉ. सुमित एस. कुमार मंडल, डॉ. अविनाश चंद्रा, डॉ. जावेद मारीकर, डॉ. कल्याणी पटेल, आईडीएसपी के जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री रामकुमार जांगड़े, सुश्री जानकी देवांगन एवं सीमा बरेठ उपस्थित रहे।

पीपरछेड़ी में धूमधाम से मनाया गया भाई दूज,मातर महोत्सव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



छुरा, 13 नवंबर। ग्राम पीपरछेड़ी में भाई दूज मातर महोत्सव,स्नेह मिलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।कार्यक्रम ग्राम सरपंच श्रीमती नीरा बिसाहत राम ध्रुव की अध्यक्षता सर्व आदिवासी समाज प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व जनपद सदस्य नीलकंठ सिंह ठाकुर, ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी संचालिका उप सेवा केन्द्र-खड़मा, जनपद सदस्य महेंद्र ध्रुव, गायड़बरी ग्राम पंचायत के सरपंच करण सिंह ध्रुव के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के शुभारंभ में ग्राम प्रमुख श्री गोविन्द राम यादव ने सभी अतिथियों का अपने उद्बोधन विचारों से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मातर महोत्सव हमारी मिट्टी, हमारी माँ और हमारी संस्कृति का पर्व है। यह पर्व हमें एक परिवार की तरह जोड़ता है।उन्होंने कहा कि पीपरछेड़ी का यह स्नेह मिलन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और रक्षा के संकल्प का प्रतीक है।सभी अतिथियों का गाँव में पधारना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

इसके पश्चात विशेष अतिथि श्री नीलकंठ सिंह ठाकुर जी ने सभा को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि मातर महोत्सव केवल लोक पर्व नहीं,यह आत्मा की यात्रा का स्मरण है। भाई दूज हमें याद दिलाता है कि संबंध देह का नहीं,आत्मा का है।जब हम एक-दूसरे को आत्मा समझें, गुणों से देखें और अवगुणों को माफ करें, तभी सच्चा स्नेह मिलन होता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने गाँव को निर्वैर, निष्काम और प्रेम का गाँव बनाना है।क्रोध को शांति से, ईर्ष्या को शुभकामना से और नफरत को प्रेम से जीतना ही सच्ची मातर है।मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा - मातर अर्थात माँ की गोद, मिट्टी की गोद, संस्कृति की गोद है। जैसे बच्चा माँ की गोद में निश्चिंत हो जाता है, वैसे ही आत्मा परमात्मा की याद में निश्चिंत हो जाती है।

अंशु दीदी ने आह्वान किया - आओ, इस स्नेह मिलन से संकल्प लेकर जाएं कि हम अपने मन को मंदिर बनाएंगे, अपने घर को स्वर्ग बनाएंगे और अपने गाँव को सतयुग की झलक बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पीपरछेड़ी की मातर महोत्सव की राउत नृत्य बहुत ही लोकप्रिय है।

इस अवसर पर आयोजक समिति द्वारा सभी अतिथियों को शाल, श्रीफल एवं गमछा भेंटकर सम्मानित किया गया।सभी अतिथियों का बाजे-गाजे और राउत नृत्य के साथ भव्य स्वागत किया गया।रात्रि कालीन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक कला मंच अलहोरण, जिला-गरियाबंद की प्रस्तुति ने समां बांध दिया।कार्यक्रम में माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार द्वारिका भाई, कृपाल भाई, कमलेश भाई सहित पूर्व सरपंच बिसाहत राम ध्रुव, दुजलाल ठाकुर, गिरधर लाल ध्रुव,शुकलाल मरकाम, गोपाल यादव, छबीराम ध्रुव, सज्जन यादव, पत्रकार तेजराम ध्रुव, पुनितराम ठाकुर, तेजस्वी यादव, दीनबंधु ठाकुर, रोहित यादव, कन्हैया सेठ, महेंद्र यादव, वीरेंद्र ध्रुव, प्यारेलाल मरकाम सहित ग्रामीण युवा समिति एवं समस्त पंचगण बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। मंच संचालन हेमलाल यादव एवं हीरा लाल ध्रुव दिनबुन्ध ध्रुव ने किया।

किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये मिलेगी सहायता राशि

21 क्विंटल की निर्धारित सीमा से कम धान बेचने पर भी नहीं कटेगी सहायता राशि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 13 नवम्बर। किसानों की मेहनत का पूरा सम्मान और खेती-किसानी को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ने कृषक उन्नति योजना के तहत बड़ा बदलाव किया है। खरीफ वर्ष 2026 से लागू नए प्रावधानों के अनुसार अब किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ की निर्धारित अधिकतम सीमा से कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी। यानी किसान एक एकड़ में 15 क्विंटल धान ही बेचता है, तब भी उसे 13 हजार 839 रुपये प्रति एकड़ की पूरी सहायता राशि दी जाएगी। इस फैसले से रायगढ़ जिले के किसानों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

रायगढ़ जिले में भी शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने संबंधित विभागों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप किसानों का पंजीयन, बोए गए रकबे का सत्यापन तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर आदान सहायता राशि उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला खाद्य अधिकारी श्री चितरंजन सिंह ने योजना के नए प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि रायगढ़ जिला औद्योगिक क्षेत्र होने के साथ-साथ कृषि प्रधान क्षेत्र भी है। जिले के सभी विकासखंडों में धान की औसत उपज अलग-अलग है। कुछ विकासखंडों में प्रति एकड़ औसत उपज लगभग 17 क्विंटल है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह लगभग 15 क्विंटल तक रहती है। ऐसे में पहले निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा के कारण किसानों के सामने कठिनाई की स्थिति बन सकती थी। शासन के नए प्रावधान से अब किसानों को उनकी वास्तविक खेती के रकबे के आधार पर पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी, जो उनके लिए बड़ी आर्थिक राहत है। उन्होंने बताया कि अब किसानों को प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल धान बेचने की बाध्यता नहीं रहेगी। यदि किसान ने निर्धारित रकबे में धान की खेती की है और उपार्जन केंद्र में 21 क्विंटल से कम धान का विक्रय किया है, तब भी उसे सत्यापित बोए गए रकबे के अनुपात में पूरी सहायता राशि मिलेगी। उदाहरण के तौर पर एक एकड़ में धान की खेती करने वाला किसान यदि केवल 15 क्विंटल धान बेचता है, तब भी उसे 13,839 रुपये की पूरी सहायता राशि प्राप्त होगी। इसी प्रकार 0.8 एकड़ में खेती करने वाले किसान को 11,071.20 रुपये तथा 2.5 एकड़ में खेती करने वाले किसान को 34,597.50 रुपये की सहायता राशि मिलेगी। अर्थात सहायता राशि का निर्धारण उपार्जित धान की वास्तविक मात्रा के बजाय पात्रता के अनुरूप सत्यापित बोए गए रकबे के आधार पर किया जाएगा। योजना के तहत किसानों को मिलने वाली आदान सहायता राशि का निर्धारण केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और राज्य शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल के मानक के अंतर के आधार पर किया गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए कॉमन ग्रेड धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। इस प्रकार दोनों के बीच 659 रुपये का अंतर आता है। इसे प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल की निर्धारित मात्रा से गुणा करने पर 13,839 रुपये की राशि निर्धारित होती है। योजना के तहत यह राशि पात्र किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से जमा की जाएगी। इससे किसानों को सीधे उनके बैंक खाते में आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

एग्रीस्टैक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे में रकबे का सत्यापन जरूरी

कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही किसान द्वारा खरीफ वर्ष 2026 में बोए गए धान के रकबे की पुष्टि डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) में होना आवश्यक है। डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित रकबे के आधार पर ही किसानों को सहायता राशि प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत ऐसे किसान पात्र होंगे, जिनसे मार्कफेड द्वारा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं लैम्पस के माध्यम से धान का उपार्जन किया जाएगा। इसके अलावा धान बीज उत्पादन के लिए पंजीकृत किसानों से छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा उपार्जित धान बीज से संबंधित बोए गए रकबे पर भी सहायता राशि प्रदान की जाएगी। जिन क्षेत्रों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का आंकड़ा उपलब्ध नहीं होगा, वहां जिला कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर सत्यापित रकबे के अनुसार सहायता राशि दी जा सकेगी।

टोकन जारी करते समय करना होगा आवेदन, किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार धान विक्रय के लिए टोकन जारी कराने के समय ही किसानों को कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत आदान सहायता राशि प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा। इसके लिए खाद्य विभाग द्वारा पोर्टल पर आवश्यक प्रावधान किया जाएगा। योजना के नए प्रावधानों से रायगढ़ जिले के किसानों को कई स्तरों पर राहत मिलेगी। अब कम मात्रा में धान उपार्जन कराने के बावजूद पात्र किसान अपने सत्यापित रकबे के अनुसार पूरी आदान सहायता राशि प्राप्त कर सकेंगे। इससे किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा और खेती की लागत कम करने के साथ उन्नत कृषि तकनीक, बेहतर बीज एवं कृषि संसाधनों में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

पीएम आवास में सुदर्शन ने इस बार परिवार संग मनाई हर्षोल्लास से दिवाली



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 13 नवम्बर । किसी परिवार के लिए दीपावली की खुशियां तब और खास हो जाती हैं, जब वर्षों का सपना हकीकत में बदल जाए। कभी कच्चे छप्पर से टपकती बारिश की बूंदों के बीच जीवन गुजारने वाले रायगढ़ जिले की ग्राम पंचायत ननसिया निवासी सुदर्शन चक्रपाणी के परिवार के लिए इस बार की दीपावली कुछ ऐसी ही यादगार बन गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने के बाद सुदर्शन ने इस बार अपने परिवार के साथ नए आशियाने में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया। जिस घर की मजबूत छत का सपना उन्होंने वर्षों से देखा था, उसी छत के नीचे परिवार के साथ दीप जलाना उनके लिए किसी बड़ी खुशी से कम नहीं रहा।

सुदर्शन चक्रपाणी के लिए पहले बरसात का मौसम किसी चुनौती से कम नहीं था। कच्चे छप्पर से बने मकान में बारिश होते ही छत से पानी टपकने लगता था। घर के भीतर पानी से बचने के लिए इधर-उधर बर्तन रखने पड़ते थे। परिवार को हर समय इस बात की चिंता रहती थी कि कहीं तेज बारिश और आंधी में मकान को नुकसान न पहुंच जाए। त्योहारों के अवसर पर भी कच्चे मकान की परेशानियां परिवार की खुशियों को प्रभावित करती थीं। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए आसान नहीं था और यह सपना लंबे समय तक अधूरा रहा। तभी प्रधानमंत्री आवास योजना ने सुदर्शन के इस अधूरे सपने को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना के तहत पक्का मकान मिलने से उनके परिवार को न केवल मजबूत छत मिली, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी मिला। अब बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने की चिंता नहीं रहती और परिवार अपने घर में सुकून के साथ रह रहा है।

नए आशियाने में दीप जलाकर मनाई खुशियों की दिवाली

इस बार सुदर्शन चकरा के परिवार के लिए दीपावली का उत्साह कुछ अलग ही था। पहले जहां कच्चे मकान में रहते हुए परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, वहीं इस बार अपने पक्के घर में दीपावली मनाने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। परिवार ने अपने नए घर को दीपों और रोशनी से सजाया। घर के आंगन में दीप जलाए और सभी सदस्यों ने मिलकर हर्षोल्लास के साथ त्योहार मनाया।

एक नजर

गिर्रा मे वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन



बलौदबाजार, 13 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विकासखंड पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत गिर्रा में गुरुवार को वित्तीय साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने, नियमित बचत करने, बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित उपयोग करने तथा किसी भी प्रकार की बैंकिंग जानकारी एवं ऋण संबंधी सलाह के लिए नजदीकी बैंक शाखा या बैंक मित्र से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना , सुकन्या समृद्धि योजना , प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह ऋण सुविधा, बचत खाता, सावधि जमा, खाता एवं आवर्ती जमा, आपकी पूंजी आपका अधिकार (डेफ खाता) बैंकिंग लोकपाल योजना एवं शिकायत निवारण एवं साइबर फ्रॉड से बचाव एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक शिवकुमार कंवर,यूको बैंक कोदवा शाखा प्रबंधक सुकांत सेठी, सरपंच ,उप सरपंच,पंच, एवं ग्रामीणों की उपस्थित रहे।

आपसी विवाद में डंडे से पीटकर महिला की हत्या करने वाला गिरफ्तार



बलौदबाजार, 13 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल नर्देशन एवं मार्गदर्शन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों और हत्या जैसी वारदातों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रवान में आपसी कलह के चलते डंडे से बेरहमी से मारपीट कर महिला की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर धर दबोचा है. प्रार्थी नारायण यादव पिता पित्रत यादव, उम्र 39 वर्ष, निवासी- वार्ड क्र. 20, ग्राम रवान द्वारा थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि ग्राम रवान में उसके दुकान नंबर 01 में घनसाय विश्वकर्मा एवं उसके साथ रेवती जायसवाल पिछले सात साल से पति-पत्नी की तरह साथ रह रही थी। ?दोनों के बीच आए दिन आपसी लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। दिनांक 11.11.2026 की रात में भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद दिनांक 12.11.2026 को सुबह करीब 09:00 बजे पता चला कि आरोपी घनसाय विश्वकर्मा ने रेवती जायसवाल को डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। प्रार्थी ने इसकी सूचना सरपंच, थाना और वार्ड पंच को दी तथा मौके पर जाकर देखने पर पाया कि रेवती जायसवाल कमरे में खून से लथपथ मृत हालत में पड़ी हुई थी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 945/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। ?मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर मर्ग इंटीमेशन दर्ज किया, गवाहों के कथन लिए तथा शव पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार भिजवाया। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य के रूप में खून, घटना में प्रयुक्त डंडा, तथा खून से सना गिलास आदि विधिवत जब्त किया गया। ?त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी घनसाय विश्वकर्मा को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर ड्राइवरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से बसों के पहिए थमे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बलौदाबाजार 13 नवंबर। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन एवं ऑल इंडिया ड्राइवर जॉइंट कमेटी के आह्वान पर 15 सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार से प्रदेशभर में ड्राइवरों का अनिश्चितकालीन 'स्टीयरिंग छोड़ो' आंदोलन शुरू हो गया है। हड़ताल के चलते जिले में यात्री बसों सहित ट्रक और ऑटो का परिचालन प्रभावित हुआ है। दीपावली की छुट्टियों के बाद काम पर लौट रहे नौकरीपेशा लोगों और अपने घरों से पढ़ाई के लिए वापस जाने वाले विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

आंदोलन के दौरान हड़ताल में शामिल नहीं होने वाले वाहन चालकों के साथ कथित तौर पर अभद्रता और दुर्व्यवहार के मामले भी सामने आ रहे हैं। कुछ स्थानों पर वाहन संचालन जारी रखने वाले चालकों को जूते-चप्पलों की माला पहनाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। इससे आंदोलन के तरीके पर भी सवाल उठने लगे हैं। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करना चालकों का अधिकार है, लेकिन असहमति रखने वाले चालकों को डराने या अपमानित करने की घटनाएं आम लोगों की परेशानी को और बढ़ा रही हैं। ऐसे मामलों में प्रशासन की निष्क्रियता भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

सुरक्षा, बीमा और पेंशन सहित 15 मांगों पर अड़े चालक : ड्राइवरों की प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू करना, राष्ट्रीय एवं राज्य ड्राइवर आयोग तथा वेलफेयर बोर्ड का गठन, सभी चालकों का पंजीयन और डिजिटल पहचान पत्र जारी करना शामिल है। इसके अलावा नौकरी पर रखने के समय ज्वाइनिंग लेटर अनिवार्य करने, पीएफ, ईएसआईसी, उचित वेतन, निर्धारित कार्य अवधि और ओवरटाइम का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

चालकों ने अनिवार्य दुर्घटना एवं जीवन बीमा, हेल्थ कार्ड के माध्यम से कैशलेस उपचार, 50 वर्ष की आयु के बाद पेंशन तथा दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता की स्थिति में परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग भी उठाई है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुविधायुक्त विश्रामगृह, पुलिस एवं परिवहन विभाग की कथित प्रताड़ना और अवैध वसूली पर रोक, दुर्घटनाओं में निष्पक्ष जांच तथा ड्राइवरों के बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए विशेष योजनाएं भी मांगपत्र में शामिल हैं।

चक्काजाम कर जताया विरोध: संघ के रविदास माण्डले ने बताया कि ड्राइवरों की मांगों को लेकर पिछले एक वर्ष से प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। एक माह पहले से भी आंदोलन की सूचना सार्वजनिक की गई थी। उन्होंने बताया कि सकरी चौराहे पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। वहीं बस चालक संघ के अध्यक्ष शिव भारती ने कहा कि 15 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल की जा रही है। इसके चलते ट्रकों के साथ बसों और ऑटो का परिचालन भी बंद है। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही गई है। फिलहाल हड़ताल के कारण जनजीवन और परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत महसूस की जा रही है।

धान खरीदी की तैयारियों को लेकर अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न, पारदर्शी खरीदी के लिए दिए गए विस्तृत दिशा-निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बालोद, 13 नवंबर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से धान की खरीदी सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुगमतापूर्वक सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिले के धान उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों, समिति प्रबंधकों एवं प्राधिकृत अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, श्री हरिवंश सिंह मिरी एवं श्री गिरधारी लाल यादव, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष, जिला खाद्य अधिकारी श्री सुधीर चंद्र गुरू सहित समस्त नोडल अधिकारी, समिति प्रबंधक तथा प्राधिकृत अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण दो पालियों में संपन्न हुआ। प्रथम पाली में विकासखंड बालोद, डौण्डीलोहारा एवं डौण्डी तथा द्वितीय पाली में विकासखंड गुण्डरदेही एवं गुरूर के धान खरीदी केंद्रों से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला प्रशासन के प्रशिक्षकों ने ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन धान खरीदी प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

रकबे के आधार पर किसानों को जारी होंगे टोकन : प्रशिक्षण में बताया गया कि उपार्जन अवधि के दौरान किसानों को उनकी भूमि के रकबे के आधार पर टोकन जारी किए जाएंगे। 0 से 2 एकड़ तक के किसानों को एक, 2 से 10 एकड़ तक के किसानों को दो तथा 10 एकड़ से अधिक रकबे वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन जारी किए जाएंगे। प्रत्येक उपार्जन केंद्र को खरीदी प्रारंभ होने से पहले शासन के प्रतिनिधि जिला विपणन अधिकारी के साथ लिखित अनुबंध करना अनिवार्य होगा।

एग्रीस्टेक पोर्टल एवं बायोमेट्रिक प्रणाली से होगी धान खरीदी : धान खरीदी के लिए भारत सरकार के एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत किसानों की फार्मर आईडी के माध्यम से पहचान की जाएगी। बायोमेट्रिक डिवाइस के जरिए निर्धारित रकबे के अनुसार धान की खरीदी की जाएगी। सामान्य पंजीकृत किसानों को उपार्जन केंद्र में ऋण पुस्तिका लाना अनिवार्य नहीं होगा। हालांकि, अधिया एवं रेगहा के माध्यम से धान विक्रय करने वाले किसानों को ऋण पुस्तिका, स्वयं का वचन पत्र तथा भू-स्वामी का सहमति पत्र प्रस्तुत करना होगा।

प्रशिक्षण में स्पष्ट किया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे आधारित रकबा ही धान खरीदी के लिए अंतिम रूप से मान्य होगा। संयुक्त खाते के मामले में केवल लंबरदार का एग्रीस्टेक पंजीयन स्वीकार किया जाएगा, सह-खातेदार का पंजीयन मान्य नहीं होगा। बीज निगम में पंजीकृत किसानों की सूची के आधार पर धान की दोहरी बिक्री रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। फेल धान बीज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए संबंधित किसान का एग्रीस्टेक पंजीयन भी अनिवार्य होगा।

इलेक्ट्रॉनिक कांटा-बाँट से होगी तौल, गुणवत्ता का रखा जाएगा ध्यान: सभी उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा-बाँट का सत्यापन तथा आद्रता मापी यंत्र का अंशांकन (कैलिब्रेशन) सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। धान की तौल इलेक्ट्रॉनिक कांटे से ही की जाएगी। विशेष परिस्थिति में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अनुमति से ही मैनुअल कांटे का उपयोग किया जा सकेगा।

पंजीकृत किसानों से निर्धारित औसत अच्छी किस्म के मापदंडों के अनुसार ही धान खरीदा जाएगा। प्रत्येक उपार्जन केंद्र में गुणवत्ता निर्धारण निगरानी समिति द्वारा धान की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी। प्रत्येक कट्टे में धान की मात्रा 40 किलोग्राम रखना अनिवार्य होगा। नए बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक अलग से निर्धारित रहेगा।

धान के सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन की रहेगी व्यवस्था : उपार्जित धान में नमी की मात्रा 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। धान का भंडारण अनिवार्य रूप से पक्के चबूतरे पर अथवा दोहरी परत वाले डनेज (भूसी सामग्री) के ऊपर किया जाएगा। धान से भरे बोरों के स्टेक को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त संख्या में तिरपाल एवं कैप कवर की व्यवस्था करनी होगी।

मोदी कैबिनेट के पांच बड़े फैसलों का जनसेवक राकेश यादव ने किया स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बालोद 13 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए पांच महत्वपूर्ण फैसलों का संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र के जनसेवक राकेश यादव ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के ये फैसले किसानों, छोटे कारोबारियों, युवाओं और विकास कार्यों को नई दिशा देने वाले हैं। राकेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने कुल 77 हजार 101 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी देकर कृषि, व्यापार और आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण निर्णय रबी सीजन 2026-27 के लिए 62 हजार 370 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी को मंजूरी देना है। इसके माध्यम से किसानों को फॉस्फेटिक एवं पोटाशिक खाद कम कीमत पर उपलब्ध होगी, जिससे खेती की लागत कम करने में सहायता मिलेगी।उन्होंने छोटे व्यापारियों एवं नए कारोबार शुरू करने वाले उद्यमियों के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत 5 हजार करोड़ रुपये के क्रेडिट गारंटी फंड को जारी रखने के निर्णय का भी स्वागत किया। इससे छोटे कारोबारियों को ऋण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और स्वरोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही अग्निवीरों की सेवा अवधि चार वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष करने, नोएडा मेट्रो के विस्तार तथा दिल्ली में नए संग्रहालय के निर्माण को मंजूरी दिए जाने के फैसलों का भी उल्लेख किया।राकेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने, युवाओं को अवसर प्रदान करने, छोटे कारोबारियों को प्रोत्साहित करने और देश के बुनियादी ढांचे को विकसित करने की दिशा में लगातार निर्णय ले रही है। केंद्रीय कैबिनेट के ये फैसले विभिन्न वर्गों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

खमतराई शीतला तालाब में छठ महापर्व की तैयारियां तेज, आयुक्त ने दिए निर्देश

रायपुर। 3 नवंबर।आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 क्षेत्र अंतर्गत वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक 16 क्षेत्र अंतर्गत शीतला तालाब खमतराई की सफाई व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का छठ महापर्व की पूर्व तैयारियों का वहाँ पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया. आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने शीतला तालाब खमतराई के निरीक्षण के दौरान नगर निगम जोन 1 जोन अध्यक्ष और वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक 16 केपार्षद श्री गज्जू साहू और शीतला तालाब खमतराई छठ महापर्व आयोजन समिति के सम्बंधित पदाधिकारियों से छठ महापर्व की पूर्व तैयारियों और शीतला तालाब खमतराई की सफाई व्यवस्था और अन्य आवश्यक प्रबंध को लेकर चर्चा कर जानकारी प्राप्त की और इस सम्बन्ध में स्थल निरीक्षण के दौरान रायपुर नगर पालिक निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय और जोन 1 जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा



सीनियर और कार्यपालन अभियंता श्री द्रोनी कुमार पैकरा और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन को शीतला तालाब खमतराई में छठ महापर्व पूर्व तत्काल प्राथमिकता के साथ सफाई, पेयजल और स्ट्रीट लाईट प्रबंधन सहित आवश्यक प्रबंध प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए.

धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह, 15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर खरीदी

बालोद, 13 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में आगामी 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत होने जा रही है। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत शुरू होने वाली धान खरीदी को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अपनी मेहनत से उपजाई गई फसल को उपार्जन केंद्रों में बेचने के लिए किसान उत्सुक हैं। धान खरीदी को लेकर किसान श्री ओंकार साहू ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कई महीने की मेहनत के बाद धान की फसल तैयार होती है। 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान बेचने से किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने के साथ आर्थिक मजबूती भी मिलती है। खरीदी शुरू होने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने बताया कि धान विक्रय हेतु उन्होंने 'तुंहर टोकन एप्प' के माध्यम से ऑनलाइन टोकन भी कटा लिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का 19 नवम्बर को सुहेला आगमन प्रस्तावित,कलेक्टर ने तैयारियों का लिया जायजा



बलौदाबाजार,13 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का 19 नवम्बर 2026 को सुहेला आगमन प्रस्तावित है।प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार मुख्यमंत्री सुहेला मे शासकीय महाविद्यालय का शुभारम्भ एवं विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे।कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने कलेक्टर कुलदीप शर्मा गुरुवार को सुहेला पहुंचे। उन्होंने सुहेला के दुर्गा मैदान मे अधिकारियो की बैठक लेकर मुख्य मंच निर्माण, पंडाल, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, वाहन पार्किंग, स्टॉल आदि के सम्बन्ध में जिम्मेदारी सौंपते हुए समय पर सभी तैयारी पूरा करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने हेलीपेड की तैयारी का जायजा लेते हुए सुरक्षा एवं बैरिकेडिंग आदि का निरीक्षण किया। इसीतरह मुख्य मंच में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित अन्य अतिथियों के बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग एवं साउंड सिस्टम,लोकार्पण -भूमिपूजन स्थल,हितग्राहियों को सामग्री वितरण की जानकारी लेते हुए जरुरी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो, सुरक्षा के साथ सुविधा का भी ध्यान रखा जाए। पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। छोटी -छोटी कमियों को भी समय पर दूर कर लिया जाए। इस दौरान एसपी गौरव राय,सीइओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, एसडीएम अतुल शेट्टे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

एसएसआर अंतर्गत मतदाता सूची का हुआ प्रारंभिक प्रकाशन

■ जिला अंतर्गत विधानसभा में कुल 8 लाख 51 हजार 47 मतदाताओं के नाम प्रारंभिक सूची में दर्ज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बलौदाबाजार,13 नवम्बर। भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के निर्देशानुसार गुरूवार को एसएसआर के तहत फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार किये जाने हेतु विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2027 जारी किया गया है। इसी क्रम में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों में किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी निशा नेताम मड़ावी ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के संबंध में विधानसभावार मतदाताओं की संख्या एवं इससे संबंधित जानकारी दी। बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन की सूची सीडी एवं हार्ड कॉपी प्रदान की गई ।

प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत प्रारंभिक सूची में सम्मिलित मतदाता दावा एवं आपत्ति 11 दिसम्बर 2026 तक प्रस्तुत कर सकेंगे। दावा आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 28 दिसम्बर 2026 तक निर्धारित की गई है। इसी तरह मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी मतदाताओं एवं सभी राजनीतिक दलों की सहभागिता से जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 43 बिलाईगढ़ , 44 कसडोल, 45 बलौदाबाजार एवं 46 भाटापारा में कुल 8 लाख 51हजार 47 मतदाताओं का नाम प्रारम्भिक प्रकाशन सूची में सम्मिलित हैं। इनमें 4 लाख 30 हजार 230 पुरूष मतदाता, 4 लाख 20 हजार 804 महिला मतदाता और 13 अन्य (थर्ड जेंडर) मतदाता शामिल हैं।

विधानसभा बिलाईगढ़ अंतर्गत 140 मतदान केन्द्र, पुरुष मतदाता 49107, महिला 48027, तृतीय लिंग 1 कुल मतदाता 97135, विधानसभा कसडोल अंतर्गत 433 मतदान केन्द्र, पुरुष मतदाता 177907,महिला 172512, तृतीय लिंग मतदाता 3, कुल 350422 मतदाता, विधानसभा बलौदाबाजार अंतर्गत 220 मतदान केंद्र, पुरुष मतदाता 83555, महिला 83243, कुल 166798 मतदाता, विधानसभा क्षेत्र भाटापारा अंतर्गत 312 मतदान केंद्र, पुरुष मतदाता 119661, महिला 117022, तृतीय लिंग 9, कुल 236692 मतदाता।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी से नरेश केसरवानी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से लखेश साहू, बहुजन समाज पार्टी देवेन्द्र पात्रे, आम आदमी पार्टी से भुनेश्वर डहरिया सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

कृषक उन्नति योजना में बड़ा परिवर्तन,कम उपज होने पर भी मिलेगी 21 क्विंटल प्रति एकड़ आदान सहायता राशि



बलौदाबाजार, 13 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार कृषि विकास और किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कृषक उन्नति योजना में बड़ा परिवर्तन करते हुए इनकी पात्रता पुनः निर्धारित की गई है। इस सम्बन्ध मे आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है।पूर्व वर्ष में केवल बिक्री किए गए धान की मात्रा के आधार पर आदान सहयता प्रदान की जाती थी लेकिन इस वर्ष इसमें परिवर्तन करते हुए एग्रीस्टैक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे में पाई गई धान की फसल के रकबे के आधार पर आदान सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के तहत अब प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बिक्री पर भी आदान सहायता राशि प्रति क्विंटल निर्धारित अधिकतम उपार्जन मात्रा 21 क्विंटल के बराबर प्राप्त होगी।

योजना का क्रियान्वयन -पंजीकृत कृषकों से खरीफ सीजन में सहकारी समिति द्वारा उपार्जित धान के बोए गए रकबा पर निर्धारित आदान सहायता राशि का कृषकों को वितरण मार्कफेड द्वारा किया जाएगा। ?

किसानो को धान विक्रय के दौरान ही टोकन जारी करने के समय ही कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन देना होगा।योजना अंतर्गत बोये गए रकबे पर प्रति एकड़ की दर से किसानों को एक समान रूप से आदान सहायता राशि का निर्धारण हेतु फार्मूला तय किया गया है जिसमें 3100 रुपए प्रति क्विंटल मे से कॉमन ग्रेड धान हेतु घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 प्रति क्विंटल को घटाकर उपार्जन हेतु प्रति क्विंटल निर्धारित अधिकतम मात्रा 21 क्विंटल का गुणा करने पर 13839 रुपए प्रति एकड़ आदान सहायता राशि दी जाएगी।

ऐसे किसान जिन्होंने खरीफ 2025-26 में धान विक्रय नहीं किया था तथा वर्ष 2026-27 उपार्जन अवधि में विक्रय हेतु धान लाया जाता है उनके रकबे का सत्यापन जिला कलेक्टर द्वारा किया जाएगा।इसके अतिरिक्त जिन क्षेत्रों में रकबे की पुष्टि हेतु डिजिटल क्रॉप सर्वे की डेटा उपलब्ध नहीं है वहाँ पर कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर सत्यापित रकबे पर आदान सहायता की राशि दी जाएगी।

कृषक उन्नति योजना हेतु ट्रस्ट,मंडल,प्राइवेट लिमिटेड कंपनी,शाला विकास समिति,केन्द्र और राज्य शासन के संस्थान,महाविद्यालय आदि संस्था योजना का लाभ लेने की पात्रता नहीं होगी।कृषकों को आदान सहायता राशि का भुगतान कृषि भूमि सीलिंग कानून के प्रावधानों के अध्याधीन किया जाएगा।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने दिशा निर्देश के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियो को दिये हैं।योजना के क्रियान्वयन और नियमित समीक्षा उपसंचालक कृषि और उनके अधीनस्थ अमलो के माध्यम की जाएगी। कृषकों को पात्रता अनुसार एक मुश्त आदान सहायता राशि की भुगतान की जवाबदारी कृषि विभाग की रहेगी।

(प्रारुप तीन)
शपथ-पत्र

मैं ईश्वर कुमार यादव, मेरा पुत्र यूराज यादव (Yuraj Yadav) निवासी स्कूल पारा, गुमड़ा तहसील गीदम, जिला दन्तेवाड़ा, छत्तीसगढ़ एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

मैं छत्तीसगढ़ का स्थायी निवासी हूँ।

मैं अपने नाबालिक पुत्र का नाम यूराज यादव (Yuraj Yadav) से बदल कर युवराज यादव (Yuvraj Yadav) करवाना चाहता हूँ।

मैं अपने नाबालिक पुत्र का नाम युवराज यादव (Yuvraj Yadav) बदलकर यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।

मेरी पत्नि संतोषी यादव को हमारे पुत्र का नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।

मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ, तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

ईश्वर कुमार यादव
हस्ताक्षर

एक नजर

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा का दिवाली मिलन 15 को

रायपुर 13 नवंबर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ का दीवाली मिलन समारोह पंद्रह नवम्बर को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम संध्या काल 5बजे , फिल्टर प्लांट के आगे संजय नगर रिंग रोड स्थित समाज के भवन में होगा। साथ ही नवीनीकृत कार्यालय भवन का लोकार्पण एवं दान दाताओं का सम्मान भी किया जाना सुनिश्चित किया गया है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर, एवं समाज के प्रशासनिक अधिकारी बतौर विशेष अतिथि उपस्थित होंगे। उक्त जानकारी समाज के अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से समाज के विभिन्न कार्यक्रमों में उल्लेखनीय दानदाताओं का सम्मान अतिथियों के द्वारा किया जाना है।समाज के प्रशासनिक अधिकारी को आमंत्रित करने से समाज के युवाओं को उनसे प्रेरणा मिलती है। इसी उद्देश्य को लेकर प्रशासन पुलिस, या अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे समाज के सदस्यों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। समाज के सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

भनपुरी स्थित गजराज पानी टैंक व पाइप फैक्ट्री में भीषण आग

रायपुर 13 नवंबर। औद्योगिक इलाके भनपुरी स्थित गजराज पानी टैंक व पाइप फैक्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया है। आग इतनी भयावह है कि इस पर काबू पाने के लिए पिछले कई घंटों से लगातार मशक्कत की जा रही है। आग बुझाने के लिए नगर निगम और निजी प्लांटों की करीब 12 से 15 दमकल गाडिय़ां मौके पर तैनात हैं। वहीं, आसपास के जिलों से भी दमकल वाहनों को बुलाया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर मौजूद है।आग की सूचना मिलने के बाद कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह समेत जिला प्रशासन और पुलिस समेत एसडीआरएफ के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे है। दरअसल, रायपुर के भनपुरी इलाके में स्थित गजराज पाइप फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में टैंक और पाइप का निर्माण किया जाता है। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की भयावहता को देखते हुए तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नगर निगम और निजी प्लांटों की दमकल गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। आग इतनी भीषण है कि कई घंटों की मशक्कत के बाद भी उस पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। आग की लपटें आसपास की फैक्ट्रियों तक न पहुंचें, इसके लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

देवउठनी एकादशी पर अवकाश

रायपुर 13 नवंबर। देवउठनी एकादशी के पावन पर्व पर रायपुर जिला प्रशासन ने 20 नवंबर 2026 (शुक्रवार) को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। हालांकि, इस छुट्टी का लाभ जिले के सभी सरकारी कर्मचारियों को नहीं मिलेगा। प्रशासन ने अवकाश को लेकर कुछ महत्वपूर्ण शर्तें भी निर्धारित की हैं। ऐसे में सरकारी कार्यालयों में काम कराने जाने वाले लोगों के लिए यह जानना जरूरी है कि 20 नवंबर को कहां छुट्टी रहेगी और कहां सामान्य रूप से कामकाज जारी रहेगा। कलेक्ट्रेट से जारी आदेश के अनुसार, देवउठनी एकादशी के अवसर पर घोषित स्थानीय अवकाश रायपुर जिले के निर्धारित क्षेत्रों में ही प्रभावी रहेगा।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से साकार हो रहे श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपने

रायपुर 13 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के सामाजिक एवं शैक्षणिक उत्थान की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना श्रमिक परिवारों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नई राह प्रशस्त कर रही है। योजना के अंतर्गत प्रदेश के कुल 291 श्रमिक परिवारों के बच्चे प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनमें कक्षा छठवीं के 200 विद्यार्थी तथा कक्षा सातवीं के 91 विद्यार्थी शामिल हैं। ये बच्चे प्रदेश के 19 निजी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। यह योजना 2025-26 मे प्रारम्भ हुई थी।

गर्म कपड़ों की दुकानें



रायपुर, 13 नवंबर। ठंड बढ़ने के साथ ही राजधानी के कई स्थानों पर गर्म कपड़ों की तिब्बती दुकानें सज गई है।

पटवारियों की हड़ताल सरकार की विफलता: दीपक बैज

रायपुर 13 नवंबर। पटवारी लगातार एक पखवाड़े से हड़ताल पर है जिसके कारण धान खरीदी की तैयारी नही हो पाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तीन दिन बाद धान की खरीदी शुरू होगी ऐसे में किसान अपना धान कैसे बेच पायेंगे सरकार पटवारियों से बात कर हड़ताल खत्म करने के बजाय दमन की कार्यवाही पर उतर आई है इसमें हड़ताल खत्म होने के बजाय और आगे बढ़ती जा रही। सरकार जानबूझ कर हड़ताल खत्म नही होने देना चाहती ताकि धान खरीदी कम करनी पडे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी के पहले किसानों का पंजीयन, फौती, नामांतरण, बंटवारा और राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार बेहद जरूरी है। पटवारियों की हड़ताल के कारण ये सभी काम प्रभावित हो रहे हैं। जिन किसानों के परिवार में मुखिया का निधन हुआ है, उनके नाम पर फौती दर्ज नहीं हो पा रही है। जमीन के रिकॉर्ड में त्रुटियां दूर नहीं हो रही हैं। नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण लंबित पड़े हैं। ऐसे में किसान अपनी ही जमीन का धान बेचने के लिए पात्रता और दस्तावेजों की समस्या से जूझ रहे हैं। सरकार बताए कि यदि किसान का रिकॉर्ड ही दुरुस्त नहीं होगा तो वह धान का पंजीयन और बिक्री कैसे करेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल से व्यवस्थायें बिगड़ रही है। भाजपा सरकार आंदोलनरत पटवारियों की जायज मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने के बजाय उन्हें सस्पेंड कर रही। सैकड़ो पटवारियों को सस्पेंड कर दिया गया, नौकरी में ज्वाइन नहीं करने पर सर्विस इन ब्रेक की धमकी दी जा रही है। सरकार का यह रवैया बेहद अलोकतांत्रिक, तानाशाहीपूर्ण और निंदनीय है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें सस्पेंड करना भाजपा सरकार की दमनकारी कार्यशैली को उजागर करता है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग द्वारा थोपे गए नए पीवी ऐप यानी फिजिकल वेरिफिकेशन ऐप का विरोध कर रहे हैं। इस ऐप के जरिए डिजिटल सर्वे और जीपीएस फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, लेकिन ऐप में लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। सर्वर डाउन रहना, लोकेशन मैच न होना, और खेत में खड़ी फसल के भौतिक सत्यापन में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों से पटवारी परेशान हैं।

पंजीकृत वक्फ सम्पत्ति के अवैध विक्रय व पंजीकरण के संबंध में सीबीआई जांच का भेजा गया है प्रस्ताव

रायपुर 13 नवंबर। प्रदेश की ऐसी पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियां जिनके सम्बंध में अवैध विक्रय व अवैध पंजीकरण की शिकायत/जानकारी प्राप्त हुई है जिसका अनुमानित मूल्य 500 करोड़ रूपये है, उक्त पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों के सम्बंध में छ.ग.राज्य वक्फबोर्ड द्वारा निरंतर कार्यवाही किया जाकर सम्बंधित जिला कलेक्टर व जिला पंजीयक को पत्र जारी कर वक्फ सम्पत्तियों के अवैध विक्रय व अवैध पंजीयन को शून्य किये जाने एवं वक्फसम्पत्ति को वापस लाने हेतु प्रेषित किया गया है साथ ही सम्बंधितों के विरूद्ध एफआई.आर. दर्ज किये जाने के सम्बंध में भी निरंतर पत्र जारी किये गये है।

प्रदेश की ऐसी पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियां जिनका अवैध क्रय-विक्रय व अवैध पंजीकरण हुआ है उसकी सी.बी.आई. जांच कराये जाने हेतु माह माई 2026 को माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार, माननीय मुख्यमंत्री, छ.ग.शासन, माननीय गृह मंत्री, छ.ग.शासन के साथ सी.बी.आई. को पत्र जारी कर निवेदन किया गया है इसके साथ ही पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों के अवैध क्रय-विक्रय व अवैध पंजीकरण को शून्य कराया जाकर वक्फसम्पत्ति को वापस लाने तथा दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के सम्बंध में सम्बंधित जिला कलेक्टर एवं जिला पंजीयक को भी कार्यालय द्वारा पत्र जारी किये गये हैं जिन पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

इस प्रकार से यह कहा जाना कि छ.ग.राज्य वक्फबोर्ड के दावे झूठे हैं यह बात बेबुनियाद और कांग्रेस की दूषित मानसिकता को परिलक्षित करता है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में वक्फ सम्पत्तियों पर से कितने अतिक्रमण को हटाया गया? कितनी वक्फ सम्पत्तियों को सुरक्षित कर समाज कल्याण के लिए उपयोग में लाया गया? कांग्रेस केवल अपने कुकृत्यों को छुपाने और अपनी निष्क्रीयता को छुपाने के लिए इस प्रकार से गलत प्रचार करती रहती है। कांग्रेस केवल हल्ला मचाने का कार्य करती है और भाजपा समाज कल्याण में काम करने पर विश्वास करती है। कांग्रेस के तथाकथित लोग जो वक्फ सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं उन्हें कांग्रेस संरक्षण और समर्थन देने का कार्य करती रही है इसलिए इस प्रकार की बयानबाजीयां करती है।

नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार ने वक्फ सम्पत्तियों की बेहतरी के लिए जो कार्य किया है वह सराहनीय है, सभी पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों को पोर्टल में दर्ज कराकर उसे हमेशा के लिए सुरक्षित कर दिया है जो अभूतपूर्व मिसाल है।

बैठक में अधोसंरचना विकास को तेजी से बढ़ावा देने के निर्देश

रायपुर 13 नवंबर। छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और औद्योगिक निवेश को तेजी से बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मूल्यांकन समिति की एक उच्च-स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग से जुड़े कई प्रमुख प्रस्तावों की गहन समीक्षा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, उच्च गुणवत्ता वाला और निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि राज्य में निवेशकों और नागरिकों को अनुकूल माहौल मिल सके।

बैठक में नवा रायपुर, अटल नगर में लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में नवनिर्मित विद्यालय परिसर को संचालन, रख-रखाव एवं हस्तांतरण आधारित पीपीपी मॉडल पर संचालित करने के प्रस्ताव पर विचार किया गया। इस विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। कुल 960 सीटें रहेंगी, जिनमें प्रत्येक कक्षा में 2 सेक्शन और प्रति सेक्शन 40 विद्यार्थी होंगे। इसमें 25 प्रतिशत आर.टी.ई. सीटों के साथ-साथ शासकीय कोटे की अतिरिक्त निःशुल्क सीटें भी शामिल रहेंगी।

अनुबंध की अवधि 30 वर्ष होगी, जिसे कार्यदक्षता के आधार पर केवल एक बार 10 वर्ष



के लिए (अधिकतम 40 वर्ष तक) बढ़ाया जा सकेगा। शिक्षा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए 5 डोमेन और 100 अंकों पर आधारित 17 मुख्य प्रदर्शन संकेतक (इंडिकेटर्स) तय किए गए हैं।

नवा रायपुर में 20 एकड़ में बने सर्वसुविधायुक्त विद्यालय परिसर और संभागों के 207 स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने का निर्णय

राज्य के 5 संभागों के 207 स्कूलों को ओएमटी (व्डज) मॉडल पर चलाने की समीक्षा

राज्य के विद्यार्थियों को सीबीएसई मानकों के अनुरूप अंग्रेजी माध्यम शिक्षा उपलब्ध कराने और शासकीय भवनों के अधिकतम उपयोग के उद्देश्य से, राज्य के 5 संभागों के 207 विद्यालयों (103 प्राथमिक एवं 104 पूर्व माध्यमिक शालाएं) को ओएमटी आधारित पीपीपी मॉडल पर 30 वर्ष की लीज पर संचालित करने के प्रस्ताव की समीक्षा की गई। इन विद्यालयों का स्वामित्व पूरी तरह शासन के पास ही रहेगा।

वर्तमान में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रखने के लिए शाला के स्तर अथवा उच्चतम कक्षा से उत्तीर्ण होने तक आर.टी.ई. की दर के अनुसार शासन द्वारा भुगतान किया जाएगा, जिससे बच्चों की शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क जारी रहेगी।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत बिलासपुर में शहर की लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर प्रोजेक्ट के न्यूनतम विकास दायित्वों और प्री-बिड बैठक में मिले सुझावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस उच्च-स्तरीय बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, वित्त विभाग एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव श्री भूवनेश यादव, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव श्री बसवराजु एस., खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, सीएसआईडीसी के एमडी श्री विश्वेश कुमार सहित वित्त विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नमक खरीदी टेंडर में कार्टेल को संरक्षण क्यों दे रही सरकार: कन्हैया

रायपुर 13 नवंबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने प्रदेश में नमक खरीदी के लिए जारी निविदा प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए भाजपा सरकार पर गुजरात के चुनिंदा व्यापारिक समूहों को लाभ पहुंचाने और छत्तीसगढ़ के स्थानीय व्यापारियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से गुजरात के कुछ व्यापारी कथित तौर पर कार्टेल बनाकर नमक आपूर्ति के सरकारी टेंडर हासिल कर रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के बजाय कुछ चुनिंदा व्यापारिक समूहों का दबदबा दिखाई दे रहा है। उनके द्वारा इस मामले को उठाए जाने के बाद भी सरकार ने टेंडर की तारीख दो बार आगे बढ़ाई है। इससे सरकार की मंशा और निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि छत्तीसगढ़ के स्थानीय व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा का अवसर देने के लिए उनके ज्वाइंट वेंचर (संयुक्त उपक्रम) के प्रस्ताव को भी निविदा की शर्तों में स्थान नहीं दिया गया। सरकार यदि वास्तव में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा चाहती है तो स्थानीय व्यापारियों को एकजुट होकर संयुक्त रूप से निविदा में भाग लेने का अवसर क्यों नहीं दे रही है?

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मौजूदा निविदा शर्तें स्थानीय व्यापारियों के लिए बाधाएं पैदा कर रही हैं, जबकि बाहरी व्यापारिक समूहों को लगातार लाभ मिल रहा है। कथित कार्टेलबाजी और सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण शासन को हर वर्ष करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका है। अंततः यह नुकसान प्रदेश की जनता के पैसे का नुकसान है।

स्वच्छता पुरस्कार लेकर लौटे उप मुख्यमंत्री साव और निकायों के प्रमुखों का जोरदार स्वागत

रायपुर 13 नवंबर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर रायपुर लौटे उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव और रायपुर, बिलासपुर एवं बिल्हा के निर्वाचित प्रमुखों का विमानतल पर जोरदार स्वागत किया गया। तीनों निकायों से सैकड़ों की संख्या में स्वच्छता दीदियां एवं अधिकारी-कर्मचारी उप मुख्यमंत्री श्री साव और अपने निकाय प्रमुखों रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा बिल्हा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वन्दना जेंड्रे के स्वागत व अभिनन्दन के लिए विमानतल पहुंचे थे। पारंपरिक लोक नृत्यों और गाजे-बाजे के साथ पुरस्कार ग्रहण करने नई दिल्ली गए प्रतिनिधि मंडल का रायपुर लौटने पर शानदार अभिनन्दन किया गया।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर लौटने पर लगातार दूसरे वर्ष इन तीनों शहरों की उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने लगातार दूसरे वर्ष अपनी राष्ट्रीय पहचान कायम रखी है। लगातार दो वर्षों तक तीन-तीन नगरीय निकायों का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना प्रदेश में स्वच्छता के क्षेत्र में हो रहे निरंतर सुधार, प्रतिबद्धता और प्रभावी प्रयासों का प्रमाण है। इस उपलब्धि के पीछे सफाई मित्रों का अथक परिश्रम, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी है। उन्होंने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रतिदिन शहरों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि शहरी स्वच्छता को मजबूत



बनाने में हमारी 9 हजार से अधिक स्वच्छता दीदियों का योगदान अहम है। घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे के पृथक्करण और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने में उनकी सक्रिय भूमिका है। राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान स्वच्छता दीदियों के योगदान का भी सम्मान है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कुछ शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय को स्वच्छ, सुंदर, स्वस्थ एवं सुविधापूर्ण बनाना है। बिलासपुर, रायपुर और बिल्हा की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों को भी प्रेरित करेगी।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार में बिल्हा, बिलासपुर और रायपुर ने इस वर्ष भी स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बरकरार रखी है। पिछली बार के स्वच्छ सर्वेक्षण में भी बिल्हा अपनी श्रेणी में देश में प्रथम स्थान पर था। वहीं बिलासपुर ने तीन लाख से दस लाख की आबादी वाले शहरों में द्वितीय स्थान हासिल किया था।

फार्मेसी काउंसिल में अब सरकारी फार्मासिस्ट ही बन सकेंगे रजिस्ट्रार

रायपुर 13 नवंबर। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार ने नए नियम लागू कर दिए हैं। अब इस पद पर केवल नियमित शासकीय फार्मासिस्ट ही नियुक्त हो सकेंगे। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। नए नियमों में शैक्षणिक योग्यता, सरकारी सेवा और पंजीयन से जुड़ी पात्रता स्पष्ट कर दी गई है।

अधिसूचना के मुताबिक, रजिस्ट्रार पद के लिए उम्मीदवार का नियमित शासकीय सेवक होना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही उसका छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल में जीवित पंजीयन भी होना चाहिए। यानी केवल फार्मेसी की डिग्री या डिप्लोमा होने से कोई उम्मीदवार इस पद के लिए पात्र नहीं होगा। उसे सरकारी सेवा और पंजीयन से जुड़ी निर्धारित शर्तें भी पूरी करनी होंगी।

नए नियमों में शैक्षणिक योग्यता के आधार पर प्राथमिकता का क्रम भी तय किया गया है। इसके तहत बी. फार्मेसी की डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों को पहली प्राथमिकता मिलेगी। वहीं, डी. फार्मेसी की योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों को दूसरे क्रम पर रखा गया है। इससे रजिस्ट्रार की नियुक्ति में दोनों शैक्षणिक योग्यताओं की प्राथमिकता स्पष्ट हो गई है।

अधिसूचना में रजिस्ट्रार की सेवा समाप्त करने का प्रावधान भी किया गया है। इसके मुताबिक, तीन महीने का नोटिस देकर रजिस्ट्रार की सेवा समाप्त की जा सकेगी।

छठ पर्व की तैयारियों को लेकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने किया घाटों का निरीक्षण

रायपुर 13 नवंबर। छठ महापर्व के अवसर पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शंकर घाट, महामाया घाट तथा गोधनपुर स्थित शिवधारी कॉलोनी छठ घाट का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मंत्री श्री अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।नीतियां देखें

मंत्री राजेश अग्रवाल ने शंकर घाट के निरीक्षण के दौरान घाट परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। घाट परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के



साथ ही पर्याप्त रोशनी एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके पश्चात मंत्री श्री अग्रवाल ने महामाया घाट पहुंचकर छठ पूजा की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था और श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

मंत्री श्री अग्रवाल ने गोधनपुर स्थित शिवधारी कॉलोनी छठ घाट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने घाट परिसर की साफ-सफाई एवं पूजा की तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि घाटों पर पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा तैयारियों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छठ महापर्व सूर्य उपासना, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, आस्था और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना का पर्व है। यह महापर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक है। छठ पूजा के अवसर पर व्रती कठिन नियमों एवं अनुशासन का पालन करते हुए भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना करते हैं। ऐसे में घाटों पर उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी छठ घाटों पर स्वच्छता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित आवागमन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। घाटों पर पूजा की तैयारियों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं। उन्होंने छठ महापर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

पुलिस को चकमा देकर भागा ड्रग्स बेचने वाला गिरफ्तार

रायपुर 13 नवंबर। रायपुर में नशे के खिलाफकार्रवाई के दौरान एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। उसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया था। पूछताछ और आगे की कार्रवाई के बीच वह अंधेरे और तंग गलियों का फायदा उठाकर भाग निकला। इसके बाद पुलिस ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर तलाश शुरू की। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसे दोबारा पकड़ लिया गया। घटना मौदहापारा थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक, 10 नवंबर की शाम सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति अपने पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ रखकर उसे बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल और मौदहापारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रजबंधा मैदान के पास दबिश दी।

इस दौरान पुलिस ने मुशर्रफखान (24) को पकड़ लिया। मौके पर पूछताछ और आगे की कार्रवाई की जा रही थी। इसी बीच आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। आसपास अंधेरा



और गलियां संकरी होने के कारण उसे पकड़ने में पुलिस को परेशानी हुई।

आरोपी के फरार होने की सूचना के बाद एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और मौदहापारा पुलिस की टीम ने इलाके में घेराबंदी की। संभावित ठिकानों पर तलाश की गई। लगातार कोशिशों के बाद पुलिस ने फरार होने के करीब तीन घंटे के भीतर उसे दोबारा पकड़ लिया।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ और तलाशी की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26